जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 35 प्रभात अजमेर, मंगलवार 3 सितम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'हम सरकार के वरिष्ठ पार्टनर हैं'

भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव (2025) के पहले यह सत्य स्थापित कर देना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। जद(यू) के प्रवक्ता पद से के.सी. त्यागी का हटना या कहें कि स्वेच्छा से हटने की पृष्ठभूमि में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। इनमें से एक है बिहार के नए मुख्य सचिव के पद पर कोयला सचिव अमृतलाल मीणा की नियुक्ति की उम्मीदें थी कि, वरिष्ठ अधिकारी प्रत्यात अमृत जिन्हें नीतीश का करीबी माना जाता था, को मुख्य सचिव बनाया जाएगा पर जब यह नहीं हुआ तो अमृत निजी कारणों से एक महीने की छुट्टी पर घर चले गए।

समझा जाता है कि कुछ दिन पहले, एन्फोर्समेन्ट डायरेक्ट्रेट (ई.डी.) के अधिकारियों ने उन्हें बुलाया था तथा सड़क-निर्माण एवं अन्य मामलों में हुई डील के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण माँगे थे, हालाँकि इन मामलों में कोई विधिवत रेड नहीं डाली गई थी। नौकरशाही में एक और महत्वपूर्ण नियुक्ति हुई है, जिसके अन्तर्गत, आलोक राज बिहार के नये डी.जी.पी. बनाये गये हैं। कुछ वर्ष पहले, जब जे.डी.यू. और आर.जे.डी. मिलकर राज्य की गठबन्धन सरकार चला रहे थे, इस पद के लिए आलोक राज के नाम पर विचार हुआ था। उस समय, उनकी उम्मीदवारी इस आधार पर खारिज कर दी गई थी कि वे कथित रूप से भाजपा के नजदीक हैं।

- एक-एक करके केन्द्रीय सरकार के सहयोग से मु.मंत्री नीतीश कुमार पर हावी होती जा रही भाजपा बिहार में।
- इस रणनीति का पहला संकेत था केन्द्रीय सरकार में कोल सचिव अमृत लाल मीणा को बिहार का मु.सचिव बनाना। नीतीश कुमार अपने नज़दीकी प्रत्याता अमृत को सी.एस. नियुक्त करने के लिए दबाव बना रहे थे।
- यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रत्याता अमृत से ई.डी. ने कुछ समय पूर्व पूछताछ की थी, सड़क निर्माण के कुछ बड़े टेण्डरों के बारे में।
- भाजपा की घेराबंदी का दूसरा संकेत था, आलोक राज की बिहार के नये डी.जी.पी. के रूप में नियुक्ति।
- आलोक राज को डी.जी.पी. बनाने की बात जे.डी.यू. व आर.जे.डी. गठबंधन की सरकार के दौरान भी चली थी, पर, भाजपा से उनकी नज़दीकी देखते हुए उन्हें डी.जी.पी. नहीं बनाया गया था।
- अब बिहार के रहने वाले, आई.आर.एस. अफसर राहुल नवीन भी ई.डी. के नये निदेशक नियुक्त हुए हैं।
- मु.मंत्री के दो करीबी अफसर, उनके सचिव दीपक कुमार व संजीव हंस से भी ई.डी. ने पूछताछ की व हंस के ठिकानों पर तो छापा भी मारा है।

इसलिये प्रश्न यह है जब केन्द्र सरकार जे.डी.यू. के समर्थन पर अत्यधिक निर्भर है तो फिर नीतीश कुमार शीर्ष नौकरशाहों की नियुक्ति स्वतन्त्रतापूर्वक क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

दरअसल, केन्द्र सरकार तथा भाजपा उनकी गर्दन पर अपनी पकड़ बढ़ाती जा रही प्रतीत हो रही हैं। कुछ महीने पहले, ऐसी अफवाह थी कि ई.डी. ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार के बेटे से पूछताछ की है। इससे पहले, ई.डी. ने बिहार केडर के आई.ए.एस. अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ पूरे लवाजमे के साथ विधिवत छापा मारा था। उन पर आरोप था कि उन्होंने आर.जे.डी. के पूर्व विधाकयक गुलाब यादव के साथ मिलकर करोड़ों रुपये कमाए हैं। संयोगवश, दीपक कुमार तथा संजीव हंस - दोनों ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये घटनाएं, तथा इनके साथ ही राहुल नवीन (बिहार-निवासी आई.आर.एस. अधिकारी) को पदोन्नत कर नया ई.डी. निदेशक बनाया जना, किसी खास चीज की तरफ संकेत कर रहे हैं। बिहार में ये अटकलें जोरों पर हैं कि भाजपा नेतृत्व या केन्द्र सरकार ने अब दृढ़ निश्चय कर लिया है कि वह अगले साल होने वाले राज्य के विधानसभा चुनावों के पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोक अभियोजकों की नियुक्ति पर रोक

जयपुर, 2 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधि विभाग की ओर से गत 26 जून को जिला कलेक्टरों को वकीलों का अतिरिक्त पैनल तैयार करने के लिए भेजे गये पत्र के आधार पर बनाए नए पैनल से लोक अभियोजकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार, विधि विभाग और अजमेर कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश विवेक पाराशर की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। हालांकि अदालत ने राज्य सरकार को छूट दी है कि वह चाहे तो पूर्व के पैनल से लोक अभियोजकों की नियुक्ति कर सकती है।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने नए पैनल से निचली अदालतों में लोक अभियोजकों की नियुक्ति पर रोक लगाई है। हाई कोर्ट ने यह कदम वकीलों द्वारा कलैक्टर को भेजे गए पत्र के आधार पर उठाया, जिसमें अतिरिक्त पैनल बनाने की मांग की गई है।

याचिका में कहा गया कि विधि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दूसरे स्वतंत्रता संग्राम से गुज़र रहा है पश्चिम बंगाल

पहले स्वतंत्रता संग्राम की तरह आंदोलनकारी सड़कों पर देशभक्ति और अन्याय विरोधी गाने गा रहे हैं और नारे लगा रहे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। लोकप्रिय बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह ने शोषण तथा तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई के बारे में गाने लिखकर बंगाल में धूम मचा दी है। सिंह ने एक गीत लिखा है जिसकी धीम है "यह अन्याय अब और नहीं।"

स्ट्राइक कर रहे राज्य के जूनियर डॉक्टरों ने आज एस्प्लनाड क्षेत्र की बैनटिंक स्ट्रीट और फियर्स लेन के पास एक सिटी सैंटर में धरना दिया। भारी संख्या में एकत्रित छात्र मांग कर रहे थे कि कमिश्नर ऑफ पुलिस को याचिका सौंपने के लिए उन्हें पुलिस मुख्यालय के अंदर जाने दिया जाए। ये लोग कमिश्नर ऑफ पुलिस के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। तथापि, इन लोगों को टोका गया था एस्प्लनाड एरिया के आगे नहीं जाने दिया गया। छात्र, अरिजीत सिंह लिखित गाना गा रहे हैं। गाने में "अभया" या निडर को न्याय दिलाने का आह्वान किया गया है।

रविवार को बंगाल सिविल सोसायटी द्वारा राज्य सरकार और विशेष रूप से मुख्यमंत्री के विरूद्ध कई प्रदर्शन हुए।

ऐसे ही एक जुलूस में रामकृष्ण मिशन के पूर्व छात्रों ने मार्च निकाला, जिसमें उन्होंने यही नारा दोहराते हुए रेप तथा हत्या की पीड़िता अभया के लिए न्याय की मांग की। रामकृष्ण स्कूलों के भूतपूर्व छात्रों ने भी ममता बनर्जी द्वारा रामकृष्ण की लोकप्रिय उक्तियों के दुरुपयोग पर आक्रोश जताया।

- इन दिनों विख्यात गायक अरिजीत सिंह का एक गीत बहुत लोकप्रिय हो रहा "आर कौबे" अर्थात् "अभी नहीं तो कब"। गीत में महिला डॉक्टर पीड़िता के परिवार के लिए न्याय की मांग की गई है। गीत में सवाल किया है कि और कब आँखें खोलोगे।
- इसके अलावा आंदोलनकारी "स्वदेशी गान" भी गा रहे हैं। स्वदेशी गान में कई देश भक्ति गीत हैं जिन्हें पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी गाते थे।
- आंदोलनकारी, रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा और विवेकानंद की बड़ी-बड़ी तस्वीरें भी लिए हुए हैं, जो बंगाली जनमानस में बेहद पवित्र और पूजनीय हैं।
- इन सब बातों से तृणमूल, खासकर ममता बनर्जी तिलमिलाई हुई हैं। पर, जनता पीछे हटने को तैयार नहीं है। इसमें आए दिन प्रतिष्ठित हस्तियाँ व आमजन जुड़ते जा रहे हैं।

ममता ने, प्रदर्शनकारियों तथा जूनियर डॉक्टरों के विरूद्ध प्रतिशोध के लिए अपने समर्थकों को भड़काने के लिए भी रामकृष्ण के कथनों का दुरुपयोग किया। पूर्व छात्रों ने विरोध मार्च के दौरान श्री रामकृष्ण, माँ शारदामाई एवं स्वामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी के करोड़ों रुपये के घोटाले को गंभीरता से नहीं ले रहा विधि विभाग?

सुप्रीम कोर्ट में उचित पैरवी के लिए मुख्य सचिव को आश्वासन देने के बावजूद विधि विभाग बैकफुट पर आया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 2 सितम्बर। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने 16 मई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी और भंडारण निगम के बीच अनुबंध की आड़ में करोड़ों रुपये के घोटाले का जो आरोप लगाया था, उस पर मुख्य सचिव ने गत 21 मई को ही संबंधित विभागों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी। इस मामले में भंडारण निगम व कृषि विभाग ने जवाब में अपनी-अपनी रिपोर्ट भेजी है।

इन रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुख्य सचिव ने इस पूरे मामले पर विधि प्रमुख सचिव के साथ 24 जुलाई को एक बैठक ली थी, जिसमें विधि प्रमुख सचिव ने मुख्य सचिव को बताया कि, इस मामले की पैरवी फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। मामला अत्यन्त गंभीर है, इससे जुड़ी तमाम तमाम जानकारियां "सॉलिसिटर जनरल", तुषार मेहता और अतिरिक्त महाधिवक्ता को दी जायेंगी। हैरानी की बात है कि मुख्य सचिव को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि विधि विभाग द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद इस मामले की पैरवी के लिए सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एक भी बार पैरवी के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं। दूसरी ओर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने श्री शुभम लॉजिस्टिक द्वारा अनुबंध की शर्तों, जैसे कि गोदामों में रखी 3000 करोड़ की

- ज्ञात रहे कि मुख्य सचिव ने पिछले दिनों भंडारण निगम और कृषि विभाग से इस प्रकरण की रिपोर्ट मांगी थी, जिसके जवाब में विधि विभाग का ढुलमुल रवैया उजागर हुआ है।
- मुख्य सचिव को पिछले दिनों विधि प्रमुख सचिव ने आश्वस्त किया था कि सुप्रीम कोर्ट में इस प्रकरण की उचित पैरवी के लिए "सॉलिसिटर जनरल" और अतिरिक्त महाधिवक्ता को तमाम जानकारियां दी जाएंगी।
- इस मामले में मुख्य सचिव द्वारा मांगी गई रिपोर्ट में सामने आया है कि 1 अगस्त को विधि विभाग के जूनियर अफसरों ने इस मामले में यहां तक कह दिया कि विधि विभाग ने इस स्तर पर अपेक्षित कार्यवाही नहीं की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.पी.एस.सी. का पूर्व सदस्य रामूराम राईका रिमांड पर

जयपुर, 2 सितंबर (का.सं.)। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, महानगर द्वितीय की लिंक कोर्ट अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-5 ने एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्य रामू राम राईका को 7 सितंबर पर पुलिस रिमांड पर एस.ओ.जी. को सौंप दिया है। वहीं, पेशी के दौरान राईका द्वारा कथित रूप से एक वकील को थप्पड़ मारने की बात सामने आई। इस पर वकीलों ने नाराजगी जताते हुए कोर्ट कक्ष के बाहर घेराबंदी कर दी और राईका को बाहर निकालने की मांग करने लगे। आखिर में बार पदाधिकारियों ने वकीलों की समझाइश की। वहीं बताया जा रहा है कि राईका ने भी बाद में माफी मांग ली।

- पेशी के दौरान राईका द्वारा कथित रूप से वकील को थप्पड़ मारने की बात पर वकीलों ने कोर्ट रूम की घेराबंदी कर दी, बाद में राईका ने माफी भी मांगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेबी चेयरमैन माधवी बुच के खिलाफ हितों के टकराव के नए चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

कांग्रेस ने कहा, सेबी चेयरमैन जब आई.सी.आई.सी.आई. बैंक की जांच कर रही थीं, फैसले दे रही थीं, उसी समय उससे भारी वेतन भी ले रही थीं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। विपक्षी कांग्रेस एस.ई.बी.आई. (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच पर, नये तथ्यों के साथ दबाव बढ़ाती जा रही है। कांग्रेस ने उनसे कहा है कि वे, उनके कथित हित-संघर्ष (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इन्ट्रैस्ट) के चलते इस्तीफा दें।

बुच पर प्रहार करते हुये, कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा, "वर्तमान सेबी अध्यक्ष ने 2017 में जब से अपना पद संभाला है, वे न केवल सेबी से वेतन ले रही हैं, बल्कि आई.सी.आई.सी.आई. बैंक में भी "लाभ का पद" (ऑफिस ऑफ प्रॉफिट) संभाले हुये हैं तथा आज तक उस बैंक से धनराशि लेती आ रही हैं। 2017 से 2021 के बीच वे सेबी की पूर्णकालिक सदस्य के रूप में रहीं तथा वर्तमान सेबी अध्यक्ष ने आई.सी.आई.सी.आई. बैंक से 12.63 करोड़ रूपए प्राप्त किये हैं।"

उन्होंने कहा, "ऐसे कई हित-संघर्ष हैं, जिनमें सेबी अध्यक्ष लिप्त हैं। अब तक, अडानी-प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही जाँच के हित-संघर्ष पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। इससे भी ऊपर, ऐसे अन्य कई हित-संघर्ष हैं, जो एक संस्था के रूप में सेबी को घोर संदेह के घेरे में ला रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने उनके खिलाफ आई हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के बाद से ही कांग्रेस बुच के इस्तीफे की माँग कर रही है। अमेरिका की शॉर्ट-सैलर (हिंडनबर्ग) ने आरोप लगाया था कि बुच और उनके पति धवल बुच के ऐसी अज्ञात विदेशी कंपनियों में शेयर हैं, जिनका उपयोग अडानी के मनी-लॉन्डरिंग के घोटालों में किया जाता है।

यहाँ पार्टी मुख्यालय पर एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये, खेड़ा ने कहा, "द सिक्योरिटीज एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एस.ई.बी.आई.-सेबी) के पास भारतीय मध्यम वर्ग के पसीने की कमाई को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है। सर्वविदित है कि मध्यम वर्ग के लोग दुख-सुख उठाकर एक-एक पैसा बचाते हैं तथा अपने भविष्य को सुरक्षित करने की आशा में इसका निवेश करते हैं। फिर भी, जहाँ लोग सेबी पर भरोसा करते हैं क्योंकि उसके अध्यक्ष की नियुक्ति सीधे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) करते हैं, वहीं, सेबी हम सबको मूर्ख समझती एवं बनाती प्रतीत होती है।"

उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने आई.सी.आई.सी.आई. प्रुडेंशियल से 22.41 लाख रूपए प्राप्त किये हैं। यह भी सेबी (एम्प्लॉयीज सर्विस) रेग्यूलेशंस, 2001 की धारा 54 तथा सेबी'ज कोड ऑफ कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इन्ट्रैस्ट्स फॉर बोर्ड ऑफ मैम्बर्स (2008) की धारा 5 का उल्लंघन है।"

- कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि सेबी प्रमुख ने 2017-2021 के बीच आई.सी.आई.सी.आई. से वेतन के रूप में 12.63 करोड़ रूपए लिए थे और 2021-23 में आई.सी.आई. प्रुडैंशियल से 22.41 लाख रूपए लिए थे।
- खेड़ा ने कहा कि माधवी बुच ने सेबी में रहते हुए सरकार से वेतन के रूप में 3.30 करोड़ रूपए लिए, जबकि इस दौरान आई.सी.आई.सी.आई. से इससे 5.09 गुना अधिक, 16.80 करोड़ रूपए प्राप्त किए।
- खेड़ा ने पूछा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली अपॉइन्टमैंट कमेटी ने माधवी बुच को नियुक्त किया, क्या उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री रेड्डी को "कैश फॉर वोट" मामले में सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 2 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में 2015 के कथित कैश फॉर वोट घोटाला मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सार्वजनिक बयान देने में कुछ संयम

- रेवंत रेड्डी को विधान परिषद चुनावों में पार्टी उम्मीदवार वेम नरेंद्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफैन्सन को 50 लाख रुपये की रिश्वत देते हुए ए.सी.बी. ने 31 मई 2015 को गिरफ्तार किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बहुत सख्त टिप्पणियाँ कीं बुलडोज़र "न्याय" के खिलाफ

बहस इतनी गर्मा गरम थी कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा, ताकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व वरिष्ठ अधिवक्ता, दुष्यंत दवे के बीच बहसबाजी "डर्टी" (असभ्य) न हो जाये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक सुनवाई के दौरान बुलडोज़र न्याय पर कड़ा सवाल उठाया कि कोई भी घर कैसे तोड़ा जा सकता है सिर्फ इसलिए कि वह किसी आरोपी का है या फिर क्रिमिनल केस में दोषी व्यक्ति का है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भाजपा शासित कुछ राज्यों की राजनीति प्रभावित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने घर तोड़े जाने के सम्बंध में अखिल भारतीय गाइडलाइन्स बनाने का प्रस्ताव रखा और कहा कि कोई भी इमारत सिर्फ इसलिए नहीं तोड़ी जा सकती है कि वह किसी आरोपी की है।

याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कोर्ट से पूरे देश में बुलडोज़र न्याय का चलन ना हो जाए इसके लिए निर्देश दिए जाए।

जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बैंच को संबोधित करते हुए सॉलिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने कहा कि किसी की भी अचल सम्पत्ति को इसलिए नहीं तोड़ा जा सकता कि क्योंकि वह किसी अपराधिक केस में शामिल व्यक्ति या दोषी से जुड़ी है ऐसा तब ही होता है जब वह सम्पत्ति गैर कानूनी हो।

जस्टिस गवई ने कहा तो आप मान रहे हैं कि फिर हम इसके आधार पर दिशा-निर्देश जारी करेंगे, किसी के आरोपी होने पर ही उसकी सम्पत्ति कैसे ठहराई जा सकती है।

बैंच ने कहा अगर इमारत गैर कानूनी है तो ठीक है पर प्रक्रिया तो होनी चाहिए। ऐसे मामले ना हो इसलिए निर्देश क्यों नहीं पास किए जा सकते। पहले नोटिस दीजीए, जवाब देने का कानूनी उपाय करने का समय दिया जाए फिर विध्वंस की कार्यवाही की जाए।

बैंच ने कहा, हम सड़क की राह में आ रहे अवैध निर्माण चाहे वह मंदिर ही क्यों ना हो को नहीं बचा रहे हैं, पर विध्वंस की कोई गाइडलाइन तो होनी ही चाहिए।

सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे और सी.यू. सिंह जो याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी कर रहे थे दिल्ली की जहांगीरपुरी केस का हवाला दिया। वकीलों ने कहा कि कई मामलों में तो किराए पर ली गई सम्पत्ति तोड़ दी गई। सिंह ने कहा उन्होंने 50-60 साल पुराने घर तोड़ दिए क्योंकि किराएदार का लड़का किसी मामले में आरोपी था।

राजस्थान के उदयपुर का मामला भी सामने आया जिसमें एक छात्र द्वारा दूसरे छात्र को चाकू मार देने का मामला था। विश्वनाथन ने कहा, अगर किसी व्यक्ति का पुत्र उद्दण्ड है तो उसके घर को तोड़ देना सही नहीं है। कोर्ट ने मामले में 17 सितम्बर की तारीख दी है।

जस्टिस गवई ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का हलफनामा कहता है कि अचल सम्पत्ति को कानूनी प्रक्रिया के तहत ही हटाया जा सकता है। हम देश भर के लिए कुछ गाइडलाइन्स बनाए जाने का प्रस्ताव रखते हैं। ताकि इस मामले को उठा रही चिंताओं का समाधान हो सके हम यू.पी. सरकार के रुख का समर्थन करते है।

कोर्ट में एक बार तो मेहता व दवे के बीच तीखी बहस हुई मेहता ने कहा किसी जमाल ने याचिका की है जिसका घर टूटा वो तो आए ही नहीं फिर उन्होंने दवे की ओर उन्मुख होकर कहा अगर वो उसे "डटी" तो दवे ने गुस्से में कहा कि, "डटी" मत कहिए, आप हमेशा "बिलो द बैल्ट" प्रहार करते है आप सॉलिसिटर जनरल ऐसे काम करते हैं।

इस पर जस्टिस गवई को हस्तक्षेप करना पड़ा।

- सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि किसी भी व्यक्ति का मकान केवल इसलिये नहीं तोड़ा जा सकता क्योंकि वह आरोपी है। अगर वह दोषी करार भी दिया जाए तो एक व्यक्ति की गलती या जुर्म का खामियाज़ा परिवार के अन्य लोगों को देना पड़े, यह भी न्यायसंगत नहीं है।
- तुषार मेहता ने कहा कि मकान तभी तोड़ा जाता है, जबकि न्यायपालिका के नियमों की अवहेलना करते हुए मकान का निर्माण हुआ हो।
- सुप्रीम कोर्ट ने जोर दिया कि गाइडलाइन्स होनी चाहिए, जिनकी अनुपालना हो, कोई निर्माण ध्वस्त करने से पहले।

राहुल ने बुलडोज़र नीति पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का स्वागत किया

नयी दिल्ली, 2 सितंबर (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की बुलडोजर नीति जन विरोधी है और इस पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का वह स्वागत करते हैं। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा की असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण "बुलडोज़र नीति" पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी स्वागत

- राहुल गांधी ने कहा कि बेलगाम सत्ता का प्रतीक बन चुके बुलडोज़र ने नागरिक अधिकारों को कुचल कर कानून को निरंतर अहंकार भरी चुनौती दी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्षमा से क्रोध को जीतो, भलाई से बुराई को जीतो, दरिद्रता को दान से जीतो और सत्य से असत्यवादी को जीतो। –महात्मा बुद्ध

'बुलडोजर न्याय' या सरकारी आतंक

बुलडोजर एक ऐसी मशीन है जिसका उपयोग जमीन खोदने में, निर्माण कार्यों में एवं उद्योगों में किया जाता है। 2017 में जब से योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश में पहली बार सत्ता में आई, इसका एक अलग ही उपयोग चर्चा में अधिक रहा है। आपराधिक पृष्ठ भूमि के व्यक्तियों, माफिया, सांप्रदायिक हिंसा फैलाने के आरोपी आदि के विरुद्ध, योगी आदित्यनाथ सरकार के द्वारा बुलडोजर का उपयोग प्रारंभ हुआ। ऐसे तथाकथित अपराधियों के भवनों, चाहे वे आवासीय हों या व्यावसायिक, को कुछ ही घंटों में ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्यवाही को सरकार और मीडिया द्वारा 'तत्काल न्याय' का नाम दिया गया। यहां तक कि इसे 'बुलडोजर न्याय' और योगी आदित्यनाथ को 'बुलडोजर बाबा' के नाम से जाना जाने लगा।

लोक सभा चुनाव 2024 के चुनाव प्रचार की सभाओं में भाजपा समर्थक कार्यकर्ता बुलडोजर पर बैठ कर आने लगे। भाजपा और मुख्यमंत्री योगी जी ने यह सोचा था कि इस कार्यवाही से उन्हें चुनाव में भारी सफलता मिलेगी। लेकिन परिणाम इसके ठीक विपरीत आए और भाजपा की सीटें 62 से घटकर केवल 33 रह गईं।

बुलडोजर से मकान तोड़ने की प्रक्रिया को किसी भी रूप से कानून में मान्यता प्राप्त नहीं है। उत्तर प्रदेश में इसका उपयोग प्रारंभ में केवल जघन्य अपराध के आरोपियों जैसे विकास दुबे, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे लोगों के विरुद्ध ही किया गया, जिससे इसे स्वाभाविक रूप से व्यापक जन समर्थन भी मिला।

यह उल्लेखनीय है कि निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई अधिकांशतया भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों में हुई किंतु गैर भाजपा शासित प्रदेश भी इसमें पीछे नहीं रहे। धीरे-धीरे, इसका उपयोग अपराधियों के साथ ही समुदाय विशेष के लोगों और राजनैतिक विरोधियों को सबक सिखाने के लिए किया जाने लगा।इसे प्रभावी शासन का एक हथियार मान लिया गया ।

इसका उपयोग कितना अधिक प्रचलित हो गया, यह जानने के लिए केवल अप्रैल, 2022 के कुछ उदाहरण देने उपयुक्त होंगे। 10 अप्रैल 2022 को मध्यप्रदेश के खरगोन में, 11 अप्रैल 2022 को गुजरात के खंभात में और 16 अप्रैल 2022 को दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में मकानों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया गया।

जहांगीरपुरी में तो सुप्रीम कोर्ट के द्वारा स्थगन आदेश के पश्चात भी एक-दो घंटे तक यह कार्रवाई चलती रही, तो न्यायालय को दोबारा आदेश जारी करना पड़ा । कांग्रेस की राजस्थान सरकार ने भी हनुमान जयंती के अवसर पर निकाले गए जुलूस में सांप्रदायिक हिंसा करने वाले आरोपियों के विरुद्ध बुलडोजर कार्रवाई की चेतावनी दी।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता और अपराध प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू की गई है। न्यायिक व्यवस्था का कार्य होता है कि वह किसी भी आरोपी पर अपराध सिद्ध होने के बाद उसे कानून के अनुसार निर्धारित सजा दे। इसके लिए आवश्यक होता है कि किसी भी आरोपी के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज हो, उसका अन्वेषण हो और न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार दोष सिद्ध हो । इसके उपरांत भी, मकान तोड़ने का कोई प्रावधान, सामान्यत: कानून में नहीं है। बुलडोजर के माध्यम से तत्काल न्याय करते समय आरोपी को किसी प्रकार का उपयुक्त नोटिस समय तक नहीं दिया जाता है। औपचारिकता वश एक नोटिस घर पर चिपका दिया जाता है और संपत्ति को दो-चार घंटे में ही सरकारी जेसीबी मशीन जाकर गिरा देती है।

इस संदर्भ में, हाल ही के दो उदाहरण देना उपयुक्त होगा। एक कट्टरपंथी साधु राम गिरी महाराज द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध एक आपत्तिजनक बयान महाराष्ट्र में दिया गया जिसके आक्रोशित होकर हजारों मुसलमानों ने छतरपुर थाने पर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व स्थानीय छतरपुर जिले के कांग्रेस उपाध्यक्ष शहजाद अली कर रहे थे। आंदोलनकारियों की मांग थी कि रामगिरी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए एवं उन्हें गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शन के दौरान कुछ उपद्रवियों ने थाने पर पथराव कर दिया। इसके पश्चात पुलिस एवं प्रशासन द्वारा शहजाद अली के घर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया । इसका कारण यह बताया गया कि यह घर अवैध था। प्राप्त जानकारी के अनुसार न केवल यह, बल्कि इसी प्रकार के कई मकान उस क्षेत्र में अवैध रूप से बने हुए थे, जिन पर कोई कार्रवाई अभी तक नहीं की गई थी । क्या इस प्रकार की घटना की प्रतीक्षा की जा रही थी ताकि शहजाद अली के मकान को तोड़ा जाकर उसे सबक सिखाया जा सके?

प्रत्येक प्रकार के अपराध के लिए पहले एफ आई आर दर्ज करनी होती है, फिर पुलिस जांच होती है और फिर न्यायालय में सुनवाई के बाद ही किसी न्यायालय द्वारा आदेश पारित किया जाता है । किसी का घर तोड़ने का आदेश देने का अधिकार न्यायालय को भी नहीं है। यह विडंबना ही है कि एक ओर सरकार जहां बेघर लोगों को घर देने का काम कर रही है, वहीं दूसरी और कुछ तथाकथित अपराधी लोगों के घरों को तोड़ने का काम करके उन्हें बेघर कर रही है।

उदयपुर में 16 अगस्त 2024 को एक सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले 15 वर्षीय मुस्लिम छात्र में अपने सहपाठी हिंदू छात्र को कुछ कहा सुनी के बाद चाकू मार कर घायल कर दिया, जिसकी बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई । इससे पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुस्लिम छात्र का परिवार जिस घर में रह रहा था, उसे बुलडोजर चला कर तोड़ दिया। इस घर में छात्र का संयुक्त परिवार रहता था एवं सब किराएदार थे। यह प्रश्न अवश्य उठता है कि क्या सजा केवल आरोपी को ही मिलनी चाहिए थी या उसके घर के सभी अन्य सदस्यों को भी एवं उस मकान के मालिक को भी, जिसके वह किराएदार थे? किसी भी व्यक्ति के लिए अपने सामने किसी घर को टूटते देखना अत्यंत पीड़ा जनक होता है । शायद सरकार का उद्देश्य ही यह है कि जिस समुदाय के व्यक्ति का घर तोड़ा जा रहा है, उसे देखकर, उस समुदाय का अन्य कोई व्यक्ति प्रशासन या सरकार के विरुद्ध आवाज उठाने का कोई प्रयास न करे।

यहां भी सरकार द्वारा यह सिद्ध करने का प्रयास किया गया कि यह निर्माण अवैध था । प्रश्न यह उठता है कि यदि यह निर्माण अवैध होने के कारण तोड़ा गया तो अन्य हजारों अवैध निर्माणों को अब तक क्यों नहीं तोड़ा गया? वास्तविकता तो यह है कि किसी भी शहर में लगभग 15 से 20 प्रतिशत जनसंख्या अवैध अथवा अनधिकृत मकानों में निवास करती है। यह प्रश्न भी पूछा जाना चाहिए कि अवैध एवं अनधिकृत मकान में लोगों को रहने के लिए बाध्य ही क्यों होना पड़ता है? यदि सरकार अपनी ओर से जरूरतमंद लोगों को मकान बना कर दे देती तो अवैध मकानों में रहने की उन्हें आवश्यकता ही नहीं पड़ती। यहां प्रश्न मकान के वैध या अवैध होने का नहीं है अपितु किसी किसी विशेष समुदाय को सबक सिखाने की दृष्टि से ऐसा किया जाता है।

अवैध मकान को तोड़ने के लिए भी एक प्रक्रिया निर्धारित है, जिसे अपना कर ही ऐसी कार्रवाई की जा सकती है । बिना किसी अदालत के आदेश के, इस प्रकार, किसी के घर को तोड़ देने की कार्रवाई, सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसे सरकार और मीडिया का एक वर्ग भले ही 'तत्काल न्याय' और बुलडोजर न्याय की संज्ञा दे, किंतु वास्तव में यह किसी 'सरकारी आतंक' से कम ही नहीं है। इसका उद्देश्य केवल और केवल एक समुदाय में डर उत्पन्न करना ही होता है।

क्या एक लोकतांत्रिक देश में किसी एक समुदाय में डर उत्पन्न करके, सरकार चलाना सही कहा जा सकता है ? इस प्रश्न पर समाज के प्रबुद्ध लोगों को एवं नेतृत्व करने वालों को विचार करना ही होगा ।

प्रत्येक प्रकार के अपराध के लिए पहले एफ आई आर दर्ज करनी होती है, फिर पुलिस जांच होती है और फिर न्यायालय में सुनवाई के बाद ही किसी न्यायालय द्वारा आदेश पारित किया जाता है । किसी का घर तोड़ने का आदेश देने का अधिकार न्यायालय को भी नहीं है। यह विडंबना ही है कि एक ओर सरकार जहां बेघर लोगों को घर देने का काम कर रही है, वहीं दूसरी और कुछ तथाकथित अपराधी लोगों के घरों को तोड़ने का काम करके उन्हें बेघर कर रही है ।

बुलडोजर से जब किसी का घर तोड़ा जाता है तो केवल आरोपी ही बेघर नहीं होता, बल्कि उसका पूरा परिवार और कई बार तो उसके मकान मालिक को भी अपने घर से वंचित हो जाना पड़ता है। कल्पना कीजिए, यदि न्यायालय में अभियुक्त बरी हो गया, तो क्या प्रशासन उसका घर उसे पुन: बनवाकर देगा? यह उल्लेखनीय है की अदालत में चलने वाले प्रकरणों में से लगभग 40 प्रतिशत में अभियुक्त बरी हो जाते हैं।

मध्य प्रदेश के छतरपुर में शहजाद अली के घर को तोड़ने का प्रकरण अब जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा सुप्रीम कोर्ट में ले जाया गया है। इस पर सुनवाई 2 सितंबर, 2024 को हुई जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा कि वे दोनों पक्षों को सुनने के बाद समुचित दिशा निर्देश जारी करेंगे जो पूरे देश में लागू होंगे।

भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को गरिमा से जीने का अधिकार प्रदत्त है। इस अधिकार के अंतर्गत सबसे पहले रहने का घर आता है। यदि आप किसी के घर को तोड़ रहे हैं और वह भी बिना उपयुक्त न्यायिक प्रक्रिया अपनाए, तो उसे, उसके जीने के अधिकार से वंचित करने के समान ही माना जाना चाहिए। इस पर माननीय उच्चतम न्यायालय में बहस होगी और देखना यह है कि इसका निर्णय क्या होता है?

हम तो यही अपेक्षा कर सकते हैं कि उत्तर प्रदेश के चुनाव परिणाम से सीख लेकर सरकारें, चाहे वे किसी भी दल की क्यों न हों, बुलडोजर न्याय के नाम पर सरकारी आतंक मचाने से बचेंगी और नागरिकों के गरिमा के जीवन जीने के अधिकार की रक्षा करेंगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

स्वस्थ जीवन और लंबी उम्र संभव है

डॉ. रामावतार शर्मा

यह सर्वविदित तथ्य है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने संक्रामक, संचारित और सघन रोगों के नियंत्रण पर बड़ी सफलता पाई है जिसके फलस्वरूप वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन की रक्षा संभव हो सकी है। एक जमाना था जब कस्बे या शहर में खसरा या चेचक के प्रकोप के बाद कहा जाता था कि आबादी के बच्चों की गिनती कर पता करो कि कितने जिंदा बचे हैं। आज ये रोग या तो समाप्त हो गए हैं या फिर अति साधारण रोग बन कर रह गए हैं। बैक्टीरिया, वायरस एवम् परजीवी रोगों के बारे में हमारी समझ में बड़ा विस्तार हुआ है जिसमें इनके बचाव के विभिन्न उपाय संभव हुए हैं। इस सब के विपरीत दीर्घकालिक रोगों के विरुद्ध आधुनिक चिकित्सा को कोई विशेष सफलता नहीं मिली है। हृदय एवम् रक्त संचार तंत्र, डायबिटीज जैसे मेटाबोलिक रोग, कैंसर और मस्तिष्क संबंधित बीमारियों के इलाज में कोई बड़ी सफलता नहीं मिल पाई है। यहां पर शोध में धन भी काफी खर्च हुआ है पर अपेक्षित परिणाम दूर दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं।

दीर्घकालिक यानि क्रॉनिक रोगों पर विजय में असफलता का प्रभाव अब त्वरित यानि एक्यूट रोगों पर हमारी सफलता पर भी पड़ने लगा है। उदाहरण के तौर पर उपचार कर रहा चिकित्सक निमोनिया या हैजे के एक रोगी के जीवन को तो सुरक्षित कर लेता है पर संभव है कि चंद दिनों बाद यह रोगी हार्ट अटैक द्वारा अपना जीवन खो दे या फिर उसके शरीर में किसी प्रकार के कैंसर का पता लग जाए। इस प्रकार निरोग अवस्था को प्राप्त करने के बावजूद यह व्यक्ति स्वस्थ नहीं रह पाया तो त्वरित रोगों पर सफलता उस रोगी के लिए महत्वहीन हो जाती है। इस सब के परिपेक्ष्य में हमें दीर्घकालिक रोगों के बारे में अपनी स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न चिह्न लगाने पड़ेंगे ताकि नव विचारों का प्रदुर्भाव हो सके और क्रॉनिक बीमारियों के बारे में हमारी रणनीति में आमूलचूल परिवर्तनों को कोई दिशा और प्रेरणा मिले।

दीर्घकालिक रोग का प्रारंभ उस समय से कितने ही पहले प्रारंभ हो चुका होता है जब रोग सामने आता है। क्या आप सोचते हैं कि हार्ट अटैक कोई अचानक हुआ हमला है? यदि आपका जवाब हां में है तो आप ग़लत हैं। माता पिता के सपनों से दबा बालक जब सुबह पांच बजे जगा कर तनाव और भागदौड़ के माहौल में स्कूल भगाया जाता है उसी समय उसके शरीर में हृदय रोग, डायबिटीज और अल्जाइमर का बीजारोपण कर दिया जाता है। कभी समय था जब स्कूल 10 बजे प्रारंभ होते थे, होमवर्क न के बराबर मिलता था, 2 महीने की छुट्टियां शत प्रतिशत छुट्टियां होती थी, शाम को मुहल्ले के बच्चे खेलते और मौज मस्ती करते थे। क्या वे बच्चे बड़े विचारक, दार्शनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर्स, नोबेल पुरस्कार विजेता या विख्यात प्रोफेसर्स नहीं बने थे? क्या उन्होंने क्रांतिकारी और जीवन को परिवर्तित करने वाली खोज नहीं की थी? क्या पहले लखपति, करोड़पति लोग नहीं होते थे? आज नव युवकों में हार्ट अटैक इसलिए हो रहे हैं क्योंकि हमने अपनी भौतिक वासनाओं के चलते बच्चों के शरीर में बुढ़ापा मिश्रित कर दिया है।

युवकों के क्रोमोसोम्स पर लगे टेलोमीर छोटे होते जा रहे हैं। हमारे शरीर में लॉन्ग जीन (लंबी जीन) होती हैं जो बड़ी प्रोटीन श्रृंखला बनाने में अहम भूमिका अदा करती हैं। यह प्रोटीन श्रृंखला हमारे न्यूरॉन्स को निर्मित करती है, उनकी देखभाल और मरम्मत का कार्य करती है। अब यदि ये लॉन्ग जीन क्षतिग्रस्त हो जाएं तो यह विशिष्ट प्रोटीन श्रृंखला निर्मित नहीं हो सकती। ऐसा होने पर हमारा शरीर मृत्यु की तरफ अग्रसर होने लगता है। कमजोर कोशिकाओं में कैंसर की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मानसिक तनाव, शारीरिक तनाव, भोजन के बारे में अज्ञान का विस्तार, जिद्दी स्वभाव, हिंसा और घृणा का माहौल आदि के साथ पानी, हवा, खाद्य पदार्थों तथा शोर का प्रदूषण आदि शरीर को लगातार मृत्यु की तरफ धकेलने का कार्य कर रहे हैं।

अब सवाल उठता है किया क्या जाए? लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य की रणनीति में कुछ साधारण कदम ही उठाने पड़ते हैं। शरीर के ऑक्सीडेटिव तनाव को कम रखिए। मौसमी फल और सब्जी का भरपूर सेवन कीजिए। बच्चों से उनका बचपन मत छीनिए। याद रखिए मोटा ;पैकेज; तभी तक महत्वपूर्ण है जब तक हम जिंदा हैं। खुद पूरा सोइए और अपने बच्चों को सोने दीजिए। आईआईटी, आईआईएम के बिना भी नाम, धन और प्रतिष्ठा कमाना संभव है। बड़े धन से सुविधा मिलती है, स्वास्थ्य या संतुष्टि मिले यह आवश्यक नहीं है। अपने कार्य खुद करिए चाहे कसरत हो या घरेलू कार्य। कमीज पुरानी पहनिए पर फल, सब्जी और अनाज ताजा खरीदिए। तंबाकू बंद, शराब नियंत्रित, प्रोसेस्ड खाना और चीनी का सेवन अतिनियंत्रित रखिए।

धार्मिक हिंसा, नफरत और लड़ाइयां हजार साल पहले भी थी, आज भी हैं और आगे भी रहेंगी। ऐसी भावनाएं शरीर में प्रज्वलन पैदा करती हैं। प्रज्वलन से डायबिटीज, कैंसर, हार्ट के रोग और अल्जाइमर्स एवम् पार्किंसन रोग हो सकते हैं। जीवन उत्सव है। उत्सव मनाइए और शतायु होने का लक्ष्य निर्धारित कीजिए।

कबीरा तेरी झोंपड़ी, गल कटियन के पास
करेगा सो भरेगा, तू क्यों भयो उदास ॥

–डॉ रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और संशोधन के लिए घर-घर सर्वे कर रहे हैं बीएलओ

जयपुर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राजस्थान में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम 2025 के तहत मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने, संशोधन कराने तथा विसंगतियां दूर करने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा घर-घर सर्वे का कार्य जारी है।

अभियान के दौरान मतदाता सूचियों एवं पहचान पत्रों (एपिक कार्ड) में त्रुटियों के संशोधन की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही, नाम, पते आदि के आधार पर मतदाता सूचियों में दोहरी प्रविष्टियों को हटाया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस विषय में निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और जिला निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक की। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में महाजन ने घर-घर सर्वे के माध्यम से सूचियों के सत्यापन के कार्य में तेजी लाते हुए सभी जिलों में इसे 20 सितम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस कार्य में सर्वाधिक गति वाले जिलों नागौर, चित्तौड़गढ़, पाली, जयपुर, अलवर,डूंगरपुर और सिरोही के अधिकारियों की प्रशंसा की।

महाजन ने कहा कि इस अवधि में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा में हाई-राइज और ग्रुप हाउसिंग सोसायटीसहित अन्य शहरी क्षेत्रों में कच्ची बस्तियों आदि में नए मतदान केन्द्रों के गठन के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए सुविधाओं आदि के भौतिक सत्यापन करवाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि आगामी निर्वाचनों को और अधिक सहभागी बनाने के उद्देश्य से एसएसआर-2025 के दौरान युवाओं, महिलाओं, विशेष योग्यजनएवं थर्ड जेंडर, जन जातीय समूहों, अत्यंत पिछड़े समूहों, प्रदेश के डी-नोटिफाइड समूहों, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू समूहों और पीवीटीजी समुदायों पर फोकस किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ऐसे समुदायों और समूहों के मतदाताओं के नाम सूचियों में आवश्यक रूप से जोड़ने जा सकें। साथ ही, इसके लिए अभियान की अवधि में मतदान केन्द्रों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ऐसे आयोजन 18 अक्टूबर तक होंगे। अभियान के दौरान 1 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवा इस अवधि के दौरान वोटर हेल्पलाइन एप (वीएचए) के माध्यम से अपने नाम मतदाता के रूप में दर्ज करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थाओं के जरिए इस एप को प्रचारित करने पर जोर दिया गया। नव मतदाता घर-घर सर्वे के दौरान बीएलओ से भी सम्पर्क कर सकते हैं। आम मतदाता भी अपने पहचान-

■ मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह कार्य 20 सितंबर तक पूरा करवाने को कहा

पत्र और सूची में विसंगति को दूर करवाने के लिए बीएलओ अथवा एप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

घोषित कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूचियों के लिए घर-घर सर्वे आदि कार्य 20 सितम्बर तक पूरे कर लिए जाएंगे। इसके आधार पर मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के बाद 29 अक्टूबर को मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। इन प्रारूप सूचियों पर दावे और आपत्तियां 28 नवम्बर तक प्राप्त की जाएंगी। इनके आधार पर विसंगतियों को दूर करते हुए मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी, 2025 को होगा।

फुलेरा में निराश्रित गौवंश व आवारा पशुओं का जमावड़ा, राहगीर परेशान

फुलेरा, (निसं)। पिछले कई दिनों से कस्बे के मुख्य बजार में निराश्रित गौवंश व आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ ता ही जा रहा है। उक्त समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधी एवं प्रशासन बेखबर होकर और मौन साधे बैठे हुए है।

कस्बे के मुख्य बाजारों की सडकों व वार्डों की गलियों में घूम रहे आवारा एवं निराश्रित गौवंश कारों, मोटरसाइकिलों, बस आदि से टकराकर दुर्घटनाओं को जन्म देते है। इसके चलते

■ प्रशासन और जनप्रतिनिधी बेखबर

हर रोज कई बेकसूर जिन्दगीयां मौत के मुंह में जाते-जाते बच जाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि वाहन चालकों द्वारा वाहन चलाने के दौरान सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं को बचाने के चक्कर में किसी दूसरे वाहन या व्यक्ति से जाकर टकरा जाते है। कई बार तो टक्कर इतनी तेज होती है कि इस दौरान सड़क दुर्घटना में किसी ना किसी की मृत्यु हो जाती है। इस कारण भरे पूरे परिवार में मातम छा जाता है। कभी-कभी तो वाहन दुर्घटना में स्वयं आवारा पशु भी मौत के घाट उतर जाते है। इसके साथ ही जान व माल दोनों को ही नुकसान पहुंचता है। फुलेरा क्षेत्र में आवारा मवेशियों की यह समस्या किसी एक व्यक्ति की ही नहीं है, बल्कि इनकी वजह से कई व्यक्ति और वाहन शिकार

फुलेरा में आम रास्तों पर आवारा गौवंश के जमावड़े से लोगों को बहुत परेशानी हो रही है।

हो चुके हैं।

कस्बे की यह एक जटिल समस्या पिछले कई वर्षों से चली आ रही है। जिसका अभी तक कोई समुचित समाधान नहीं हुआ है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बाजार में घूम रहे निराश्रित गौवंश पैदल चलने वाले राहगीरों को हर रोज सींग से मारकर घायल कर देते है।

इन निराश्रित पशुओं में अधिकतर बूढ़ी बीमार तथा दूध नहीं देने वाली गाय तथा नन्दी (सांड) होते हैं। जो कि खेती बाडी के भी काबिल नहीं होते हैं। यहां मशीनीकरण के कारण बैल को रेहडी खींचने व भार ढोने तथा खेत में हल जोतने जैसे अन्य कार्यों के लिए भी इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अत: इनका उपयोग नहीं होने के कारण इन्हें खुला छोड़ दिया जाता है। यह अपना पेट भरने के लिए लोगों के द्वारा डाली गई हरी घास, सूखी रोटियां, गलियों तथा बाजारों में पडे गन्दे लिफाफे पोलिथिन सहित वस्तुओं को मजबूरी के कारण खा जाते है। इतना ही नहीं कई बार तो फल-सब्जी की दुकानों से फल और सब्जियां खाने के साथ ही फैला देते है। इसके चलते दुकानदार इन पशुओं से बचने के लिए मजबूरीवश लकडीयां बरसा देते है। इसके अलावा किराणा आदि की दुकानों को भी यह निराश्रित गौवंश फैला देते है। मुख्य बाजार में तो हर 10 कदम की दूरी पर आवारा सांडों का जमघट लग रहता है। क्षेत्र की उपरोक्त जटिल समस्या को लेकर फुलेरा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज आहूजा, कंज्यूमर एक्शन एण्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी के अध्यक्ष विजेन्द्र प्रकाश हलचल एवं शिक्षाविद और समाजसेवी शक्ति सिंह, भंवर लाल कुमावत ने संयुक्त रूप से पालिका प्रशासन से मांग की है कि उक्त गौवंशों को किसी गौशाला अथवा नन्दीशाला में भिजवाकर इस गंभीर समस्या से क्षेत्र की आम जनता एवं व्यापारी वर्ग सहित बाजार में पैदल चलने वाले राहगीरों को राहत प्रदान करें।

तीर्थराज लोहार्गल सूर्यकुंड में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डूबकी

24 कोसीय परिक्रमा पूर्ण करने के बाद श्रद्धालुओं ने डूबकी लगाई।

नवलगढ़, (निसं)। मालकेतु की 24 कोसीय परिक्रमा पूर्ण करके लाखों की संख्या में परिक्रमार्थी व अन्य श्रद्धालुओं ने तीर्थराज लोहार्गल धाम सूर्यकुंड में सोमवती अमावस्या पर आस्था की डूबकी लगाई। इसी के साथ लोहार्गल में सोमवार को दो दिवसीय लक्खी मेला शुरू हुआ जो मंगलवार तक चलेगा।

सूर्यकुंड में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने प्राचीन सूर्य मंदिर व शिव मंदिर में गौमुख का पवित्र जल अर्पित कर पूजा अर्चना की। इसके बाद परिक्रमार्थी श्रद्धालु अपने घरों की ओर लौटते नजर आए। महिलाओं ने लक्खी मेले में खिलौने, कॉस्मेटिक सामान, अचार व घरेलु सामान की जमकर खरीदारी की। गोल्याणा चौराहे से लेकर लोहार्गल सूर्य कुंड तक पुलिस व प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्थाएं रही। इस बार सोमवार व मंगलवार दो दिन अमावस्या रहने के कारण मंगलवार को भी मेला चलेगा व श्रद्धालु सूर्य

■ दो दिन तक अमावस्या होने के कारण श्रद्धालु आज भी करेंगे कुंड में पवित्र स्नान

कुंड में अमावस्या का पवित्र स्नान करेंगे।

इस बार मालकेतु की 24 कोसीय परिक्रमा में पिछले वर्ष की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा रही। समय पर हुई बरसात से लोगों के खेतों में लहलहाती फसल व 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग के पहाड़ी क्षेत्रों में छाई हरियाली ने भी श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। साथ ही परिक्रमा के समय लगातार बादलों की आवाजाही व बीच-बीच में हुई बरसात के कारण धूप से भी परिक्रमार्थी श्रद्धालुओं को राहत मिली। परिक्रमा में शामिल रहे अनेक बुजूर्ग श्रद्धालुओं ने बताया कि पिछले 15-20 साल में भी इस बार जितनी भीड़ नहीं देखी।

राशिफल

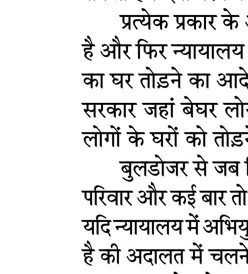

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 3 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 3:10 तक, सिद्ध योग सांय 7:05 तक, नाग करण प्रातः 7:25 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज देव पितृकार्य अमावस्या है। आज अमावस्या तिथि में वृद्धि हुई है। आज शहादते इमान हसन (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:19 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 2:00 तक, शुभ 3:34 से 5:08 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:42

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

तुला
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में योजना बनेगी। कारोबारी योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

छात्राओं ने रैली निकालकर कलक्टर और एस.पी. को दिया ज्ञापन

बहन-बेटियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अजमेर में प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। देश भर में बहन बेटियों की सुरक्षा और संरक्षा की मांग पर सोमवार को अजमेर में सोफिया स्कूल की करीब ढाई हजार से अधिक छात्राओं को अनेक एनजीओ के माध्यम से जुटे स्त्री पुरुषों ने कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल कर जिला कलक्टर डॉ भारती दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। रैली में छात्राओं ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थी। अनेक छात्राएं मुट्ठी बांध कर नारे लगा रही थी। छात्राओं ने कलेक्ट्रेट में नुक्कड़ नाटक के जरिए विरोध करते हुए कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया।

महिलाओं और बालिकाओं ने ज्ञापन के जरिए देश में महिलाओं व बालिकाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के मामलों में जल्द कार्रवाई करने और सुरक्षा देने की मांग की है। सोफिया गर्ल्स कॉलेज के नेतृत्व में सोमवार को विभिन्न स्कूलों की छात्राओं व संगठनों ने कॉलेज परिसर से रैली की शुरुआत की। रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची और विरोध जताया। इस दौरान छात्राओं ने वी वांट जस्टिस सहित महिलाओं की सुरक्षा देने के नारे लगाए एवं बैनर और पोस्टर लेकर विरोध जताया।

सोफिया कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर सिस्टर पल ने बताया कि देश, राज्य और जिले में महिला अत्याचार, हिंसा अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो अत्यंत चिंताजनक है। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक शोषण शामिल है। जो न केवल हमारे जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि हमारे समाज के मूल्यों को भी चुनौती देता है। पिछले 25 सालों से महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और बलात्कार, प्रताड़ना, एसिड आक्रमण जैसे अपराधों में वृद्धि हुई है। इसके विरोध में आज यह रैली निकाल कर प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शन कर राष्ट्रपति से महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों की जांच त्वरित कर दोषियों को सख्त सजा देने सहित विभिन्न मांगे रखी गई है।

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करती छात्राएं तथा नुक्कड़ नाटक का मंचन करते हुए।

छात्रों ने विरोध जताते हुए कहा कि हम देश में सुरक्षित नहीं है, इस देश में हमारी भी सुरक्षा की जाए। दिन प्रतिदिन महिला अपराध बढ़ रहा है, लेकिन उसे उजागर नहीं किया जाता। हाल में कोलकाता में रेप की घटना को अंजाम दिया गया लेकिन आरोपी को अभी तक कोई सजा नहीं दी गई है। छात्रों ने कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर भारती दीक्षित और एसपी देवेंद्र बिश्नोई सहित अन्य अधिकारियों के सामने नुक्कड़ नाटक के जरिए विरोध जताया। नुक्कड़ नाटक के जरिए महिला अपराधों के बारे में जानकारी दी गई।

डिजिटल सुरक्षा क्लब:- अजमेर में साइबर क्राइम के प्रति लोगों को जागरूक करने में सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश जैन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई द्वारा अब तक 28 स्कूलों और चार कॉलेजों में अपना अभियान के कार्यक्रम संबोधन दिया है। एसपी का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। एसपी के इस अभियान का विद्यार्थियों खासकर छात्राओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

'वो ही जीवन चमकता है जो संघर्ष से निखरता है'

अजमेर, (कासं)। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छाचार्य दादाबाड़ी में चल रहे पर्युषण महापर्व के के तीसर दिन सोमवार को धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए शतावधानी साध्वी मनोहर श्रीजी महारासा ने कहा कि जीवन का फ्यूज उडने से पहले जीवन को यूज करलो। आज के समय में हम इतने परेशान क्यों है। इसके 2 ही कारण है। प्रथम हमें तकदीर से ज्यादा धन चाहिये और दूसरा हमें वक्त से पहले ही धन चाहिए। आज के समय में मनुष्य धन के लिए, रात-दिन भागदौड़ कर रहा है, जिसके कारण वो धर्म से दूर होता चला जा रहा है।

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के सुशील वेद ने बताया कि दादाबाड़ी में पर्युषण महापर्व के तीसरे दिवस कल्पसूत्र वांचन प्रारम्भ हुआ जो 7 सितम्बर को पूर्ण होगा, इसमें 1200 कल्पसूत्र का वाचन होता है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी डॉ. मधुस्मिता श्रीजी ने कहा कि वो ही जीवन कुंदन चमकता है जो संघर्ष से निखरता है, जिस दिन हमारे कर्मों में कमी आएगी, हमारी आत्मा अपने मूल स्वरूप में आ जाएगी। धर्मसभा में हस्तीमल जैन, पदम बोगावत, अजीत मेहता, अरविन्द सिंघवी, जयदीप आदि ने उपस्थित रहकर कल्पसूत्र का श्रवण किया।

सार-समाचार

बैंक से 62 हजार लेकर आरोपी फरार

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। पुरानी मिल के पास कैनरा बैंक में मौजूद अज्ञात बदमाश ग्राहक से 62 हजार की नकदी लूटकर फरार हो गया। फतेहलाल नगर निवासी बुजुर्ग कैलाश शर्मा बैंक में नगदी जमा कराने गया था, इसी दौरान रूपये गिनने में मदद करने के बहाने शातिर आरोपी ने कहा में नोट को सही तरीके से जमा हो रहे है, बुजुर्ग ने विश्वास कर नोट इसके हवाले कर दिये, पलभर में ही ठग 62 हजार 500 रूपये की नकदी चुराकर चम्पत हो गया। पीड़ित ने इसे इधर उधर देखा तो वह कही भी नजर नहीं आने पर इसके पैरो तले जमीन खिसक गई। मदनगंज थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टोपी पहने हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

संगीत कार्यक्रम आयोजित किया

अजमेर, (कासं)। एसेंस ऑफ म्यूजिक संस्था के द्वारा रविवार को जयपुर जंगढ़ रेस्टोरेंट में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मां शारदे सरस्वती वंदना से किया गया। ग्रुप एडमिन कुक्कदीप सीमद्दोत ने बताया कि दिनेश खोरवाड़ अनुपम राठौर, नीरज जैन आदि मे मदद से ही यह प्रोग्राम सफल हो पाया। कार्यक्रम में डॉक्टर अभिरूप चंदन भाटी, डॉक्टर एन के माथुर, डॉक्टर प्रियेश, मनस्वी सक्सेना, प्रकाश पवार, राकेश परिहार, सरवर खान, विवेक गार्ग, यज्ञ दत्त शर्मा, संदीप माथुर, रिचा माथुर, रंजना माथुर, प्रीति जैन, कुकदीप आदि ने गीत की प्रस्तुति दी।

10 को साक्षात्कार का आयोजन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के अन्तर्गत जियोलॉजी विषय के साक्षात्कार का आयोजन 10 सितंबर 2024 को किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति साथ अवश्य लाएं अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

लखन प्रांतीय संरक्षक मनोनीत

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। अ. राज. सफाई मजदूर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल जयपुरी ने नियुक्ति पत्र जारी कर प्रांतीय संरक्षक पद पर प्रधान बिरदीचंद लखन व किशनगढ़ नगर अध्यक्ष पद पर किशनलाल लखन को पदीय दायित्व सौपा है। नियुक्ति पर द्वारका प्रसाद जैदिया, रणजीत सारसर, दिनेश लखन, प्रदीप लखन, राजेश लखन, मनीष लखन, योगेश लखन ने हर्ष व्यक्त किया।

अखिल भारतीय चौहान राईफल शूंटिग अजमेर में

- देशभर के 800 से अधिक पैरा शूटर्स लेगें भाग, सात से 10 सितम्बर तक होगें मुकाबलें

अजमेर, (कासं)। 10वीं अखिल भारतीय सम्राट पृथ्वीराज चौहान राईफल शूंटिग प्रतियोगिता का आयोजन आगामी सात से दस सितम्बर तक सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल नगर परिसर, पुलिस चौकी के पास, अम्बेडकर भवन में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में देशभर से 800 से अधिक पुरुष महिला एवं पैरा शूटर्स भाग लेगें। कंवल प्रकाश किशनानी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में सम्पन्न ओलंपिक खेलों में देश का नाम रोशन करने वाले इस खेल का अजमेर में भव्य आयोजन किया जा रहा है, इसमें अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के इलेक्ट्रोनिक स्कोरिंग टारगेटस् पर शूटर अपना प्रदर्शन करेंगें।

विजेता खिलाड़ियों में श्रेष्ठ चार शूटर्स को नगद पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे। इसके अन्तर्गत आईएसएसएफ/ सीओसी वर्ग की राइफल शूटिंग 10 मी. प्रतिस्पर्धा के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में प्रथम को 11000/, द्वितीय को 7500 व तृतीय को 5100/- नगद पुरस्कार के साथ ट्राफी प्रदान की जायेगी। पिस्टल वर्ग में प्रथम को 7500, द्वितीय को 5100 व तृतीय को 3100 नगद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी प्रदान की जायेगी।

डॉ. जैन मल्टीपल चेयरमैन एवम शर्मा सेकेट्री निर्वाचित

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के मल्टीपल 3233 के लिए प्रांत 3233 ई 2 के निवर्तमान प्रांतपाल लायन डॉ संजीव जैन, जोधपुर को सर्वसम्मति से वर्ष 2024- 25 के लिए मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन चुना गया हैं। इसी तरह इंदौर के लायन यश शर्मा को मल्टीपल काउंसिल सेकेट्री चुना गया। डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि इंटरनेशनल के पूर्व डायरेक्टर लायन वी के लाडिया, प्रांतपाल लायन श्यामसुंदर मंत्री, उपप्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग, लायन निशांत जैन, पूर्व प्रांतपाल लायन ओ एल दवे, लायन सतीश बंसल, लायन सुधीर सोगानी, लायन दिलीप तोषनीवाल सहित अन्य लायंस पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सर्वधर्म मैत्री संघ ने किया आई.जी. का अभिनंदन

- नवनियुक्त आई.जी. ओमप्रकाश का पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर के नवनियुक्त रेंज आईजी ओमप्रकाश का सोमवार को सर्वधर्म मैत्री संघ अजमेर के पदाधिकारियों ने माला पहनाकर, शॉल ओढ़ा, बुके देकर अभिनंदन किया। संस्था के अध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि आईजी को ओम प्रकाश से संस्था के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की गई जिसे सुनकर आईजी ने सराहनीय बताते हुए बहुत ही अच्छा प्रयास बताया। जैन ने सभी सदस्यों का आईजी ओम प्रकाश से परिचय भी कराया। इस अवसर पर निदेशक फादर कॉस्मो शेखावत, संस्था के सचिव सिस्टर अनुशा, मोहम्मद खान, अजीत दुआ, राजकुमार, सूरज बाजाड़ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आईजी का अभिनंदन करते सर्वधर्म मैत्री संघ के पदाधिकारी।

समन्वय बैठक आयोजित

अजमेर, (कासं)। विभागों में आपसी समन्वय के लिए सोमवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी ने कहा कि जेएलएन चिकित्सालय में सेप्टिक टैंक नगर निगम द्वारा खाली किया जाए।

अजमेर शहर के आंगनबाडी केन्द्रों एवं विद्यालयों की पेयजल टंकियां नगर निगम द्वारा तत्काल साफ करवाई जाए। साथ ही विभिन्न स्थानों पर यातायात में बाधक झाड़ियों को तत्काल हटाएं। नगर निगम क्षेत्रा में से बन्दरों को बाहर करने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान के लिए तैयार किए गए समस्त पौधे वन विभाग द्वारा एक सप्ताह में वितरित कर दिए जाने चाहिए। साथ ही इनको बारिश के मौसम में ही लगाना सुनिश्चित किया जाए। जेएलएन चिकित्सालय के आस-पास के क्षेत्रा में तम्बाकु उत्पादों की बिक्री एवं उपयोग के प्रतिबन्ध की कड़ाई से पालना हो। इसके लिए लगातार कार्यवाही की जाए। सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए।

NAME CHANGE

I, ROJINA KHATUN is Spouse of Army No. 14648797P Rank:- HAV, Name:- MD MOSTAKIM MONDAL, Residing At Vill:- ELIOT NAGAR Post:- RAMNA CHANDPUR, Teh:- BERHAMPORE Dist:- MURSHIDABAD, State:- WEST BENGAL Pin:- 742175 have change my name from ROJINA KHATUN to ROJINA KHATUN BIBI vide Affidavit No. 94AB 055318 Dated 16/07/2024 before Court campas Berhampore, west bengal

NAME CHANGE

I, Army No.18013724L Rank :NK, Name: RAVI SANKAR KUMAR, Residing At Vill. DHURIYA Post SURANGAPUR, Teh. & Dist- JEHANABAD, State BIHAR Pin- 804429 have change my Daughter's Name from ROUSHANNI KUMARI to ROSHANI KUMARI vide Affidavit No.BW 150728 Dated 02/09/2024 before Court campas Nasirabad

आम सूचना

मैं मेरे पक्षकार कमल सिंह रावत पुत्र सुखदेव सिंह रावत निवासी-ग्राम कानस, अजमेर की ओर से सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार की एक गै0 खातेदारी की भूमि ग्राम होकरा अजमेर में स्थित है मेरे पक्षकार के पक्ष में श्रीमती जतन देवी पत्नी लाडू सिंह पुत्री स्व. हालू सिंह रावत निवासी-चेनपुरा नसीराबाद अजमेर के द्वारा एक सहमति पत्र निष्पादित किया गया था जो कि कहीं खो गुम हो गया है जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी है। यदि उक्त सहमति पत्र किसी भी व्यक्ति को मिलता है तो वह मेरे पक्षकार के मोबाईल नम्बर- 9602990742 पर सम्पर्क करें। आपकी अतिकृपा होगी।

भवदीय
(प्रकाश सिंह रावत) एडवोकेट
मो0 न0 8426844068

मेडिकल की दुकान में हुई चोरी

मकराना, (निसं)। शहर के जूसरी पानी की टंकी तिराहा पर एक मेडिकल की दुकान में चोरी की वारदात हुई है। दुकान का शटर तोड़ रविवार रात चोर गल्ले में पड़ी नगदी चुरा ले गए। सोमवार सुबह मेडिकल संचालक गजेन्द्र सिंह दुकान पर आया तो उसे शटर टूटा हुआ मिला। शटर को किसी सरिए की सहायता से तोड़ा गया है। सूचना मिलने पर मकराना पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान का मौका मुआयना किया। गजेन्द्र सिंह ने बताया कि दुकान के गल्ले में खुल्ले रुपए और कुछ नगदी पड़ी थी। जिसे चोर चुराकर ले गए हैं। कितने रुपए की चोरी हुई है, वह इस बारे में स्पष्ट नहीं बता सकता है। दुकान से जनरल आइटम का कुछ सामान भी चोरी हुआ है। टंकी तिराहा शहर की व्यस्ततम जगह है। देर रात्रि तक वहां पर लोगों का आवागमन लगा रहता है। इसके बावजूद चोर शटर तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देकर चले गए। दुकानदार गजेन्द्र सिंह ने इस बारे में थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस सब इंस्पेक्टर छोटेलाल ने बताया कि दुकान का शटर तोड़ा गया है।

त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम में 700 लोगों को त्रिशूल दीक्षा दी

मकराना, (निसं)। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में रविवार दोपहर बाद मकराना बाइपास रोड स्थित इंदौरा वाटिका में त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 700 लोगों को त्रिशूल दीक्षा दी। दीक्षा में करीब पांच इंच का प्रतीकात्मक त्रिशूल प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विक्रम परिहार ने कहा की बिना शस्त्र के धर्म की रक्षा नहीं हो सकती। पुरानी जितनी भी संस्कृतियां खुदाई में मिली है वो सब बताती है कि सनातन संस्कृति सबसे प्राचीन है। हिन्दू जीवन पद्धति में संतों की कही बात का अनुसरण किया जाता है जिससे हिन्दू संस्कृति व सनातन जीवित है।

बालकदास महाराज ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। धर्म के प्रति एकजुट रहें। श्याम सुंदर स्वामी ने कहा कि लव जिहाद का विरोध किया जाएगा और गौमाता, धार्मिक स्थलों की रक्षा की जाएगी। बांग्लादेश, केरल व कश्मीर सहित हिन्दु अल्पसंख्यक क्षेत्रों में हिन्दुओं के साथ जिस प्रकार का बुरा बर्ताव हो रहा है वह सहन नहीं किया जाएगा। मकराना प्रखण्ड की ओर से कार्यक्रम के अंत में विक्रम परिहार को तलवार भेंट की गई। बरवाला धाम से बालकदास महाराज, कथावाचक बाल भरत व्यास, बजरंग दल के जोधपुर प्रांत संयोजक विक्रम परिहार, विहिप जिलाध्यक्ष प्रकाश सारड़ा, प्रखण्ड दुर्गावाहिनी संयोजिका विमला सैनी, चन्द्रकांत शास्त्री, रश्मी छींपा, सामाजिक समरसता प्रकोष्ठ के प्रांत सह संयोजक श्याम सुंदर स्वामी बतौर मुख्य वक्ता मौजूद थे। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक गौतम इंदौरा, राजेश जांगिड़, महेन्द्र रांदड़, कैलाश शर्मा, मकराना प्रखण्ड अध्यक्ष नथमल तिवाड़ी, नरेन्द्र सिंह, मूलसिंह मिण्डकिया, कपिल तोषनीवाल, श्याम सुंदर जांगिड़, गुलाब प्रजापत, रणजीत सिंह चौहान, श्याम सुंदर जोशी, रमेश जाजू, प्रवीण शर्मा, लक्ष्मण परलानी, केशव स्वामी, रामवतार शर्मा आदि मौजूद रहे।

बाल संसद का गठन

शाहपुरा, (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रहड में सोमवार बाल संसद का गठन किया गया। प्रधानाचार्य इंदिरा धूपिया ने बताया कि कक्षा तीन से आठ तक के बच्चों ने इस चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। सर्वप्रथम प्रधानमंत्री का चुनाव हुआ जिसमे सर्वसम्मति से कक्षा 8 की राधिका शर्मा को प्रधानमंत्री चुना गया। तत्पश्चात स्वच्छता एवं स्वास्थ्य मंत्री अंजलि गुर्जर कक्षा 8 जल एवं पर्यावरण मंत्री, पायल माली कक्षा 8 सांस्कृतिक मंत्री, प्रतिज्ञा गुर्जर कक्षा 8 शिक्षा मंत्री, राधिका जाट कक्षा 8 खेल मंत्री, वंदना सुथार कक्षा 8 तथा बागवानी मंत्री नेराज वैष्णव कक्षा 8 को चुना गया। सभी मंत्रियों ने अपने मंत्रिमंडल मे आठ आठ सदस्यों की टीम बनाकर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। यह मंत्रिमंडल विद्यालय स्तर पर स्वच्छता एवं साफ सफाई, शिक्षा खेल, बागवानी, मिड डे मील, पुस्तकालय आदि से संबंधित व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में मदद करेंगे। इससे बच्चों में जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व की भावना का विकास होगा तथा निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी।

गढ्ढे में धंसा स्कूल बस का पहिया

- क्षेत्रवासियों ने लगाया प्रशासन व ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे सीवरेज कार्य के दौरान शहर की कॉलोनियों में डाली गई सीवर लाइन के बाद किए गए रोड रेस्टोरेशन काम की पोल सोमवार को खुल गई। भोपो का बाड़ा क्षेत्र में हादसा होने से टल गया। सुबह एक निजी स्कूल की बस, जो बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी, तभी अचानक बस का पहिया गड्ढे में धंस गई। गनीमत यह रही कि हादसे के दौरान किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन बस का टायर गहरे गड्ढे में फंसने से बस रुक गई अन्यथा बस विद्युत पोल से टकरा जाती जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता था। क्षेत्रवासियों ने निगम व जिला प्रशासन सहित संबंधित ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए रोष जताया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भोपों का बाड़ा क्षेत्र में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत सीवरेज का कार्य करने वाले ठेकेदार द्वारा सीवर लाइन डाली गई थी, ठेकेदार ने रोड रेस्टोरेशन का काम पूरा नहीं किया, जहां सीवर लाइन डालने के लिए सडक़ की खुदाई की गई थी, वहां पर मिट्टी डालकर इतिश्री कर ली। शहर में विगत दिनों से हो रही बारसात के चलते मिट्टी गड्ढे से बहने के कारण सडक़ पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इसी लापरवाही की के चलते सोमवार सुबह एक स्कूल बस हादसे का शिकार हुई। बस का पहिया गड्ढे में जा धंसा गनीमत यह रही कि किसी भी बच्चे के कोई चोट नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि घटना के तुरंत बाद स्कूल प्रबंधन ने दूसरी बस भेज कर बच्चों को स्कूल भेजा। हादसे के बाद भोपों का बाड़ा क्षेत्र के निवासियों ने निगम, जिला प्रशासन पर आरोप लगाया।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
विज्ञप्ति

विषय: राजस्व ग्राम कायड जोन उत्तर के खसरा संख्या 2844 की भूमि का वाणिज्यिक (पेट्रोल पम्प) प्रयोजनार्थ ले-आउट प्लान अनुमोदन हेतु पहुंचमार्ग का मार्गाधिकार विभागीय अधिसूचना दिनांक 10.08.2020 के अनुसार राजस्व ग्राम कायड के खसरा संख्या 2849 किस्म गै.मु. रास्ता को 18 मीटर निर्धारित करने हेतु आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने बाबत्।

उक्त भूमि में प्रार्थी द्वारा ले-आउट प्लान अनुमोदन हेतु अविप्रा में आवेदन किया है जिसमें समिति की बैठक 05/2024वीं दिनांक 14.08.2024 में निम्नानुसार निर्णय लिया गया आवेदित भूमि के पंहुचमार्ग की चौड़ाई मास्टर प्लान में निर्धारित नहीं है पंहुचमार्ग का मार्गाधिकार विभागीय अधिसूचना दिनांक 10.08.2020 के अनुसार 18 मीटर निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए आपत्ति/सुझाव आमंत्रित कर आवश्यक अग्रिम कार्यवाही की जावें। उक्त निर्णय के क्रम में उक्त भूमि के सामने स्थित राजस्व ग्राम कायड के खसरा संख्या 2849 किस्म गै.मु. रास्ता को 18 मीटर सडक निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है। अत: टाउनशिप पॉलीसी-2010 के बिन्दु संख्या 3 (ii) के अनुसार 10 दिवस में आपत्ति/सुझाव हेतु विज्ञप्ति जारी की जाती है। कृपया निर्धारित समय में आपत्ति/सुझाव निदेशक आयोजना अविप्रा को प्रस्तुत करें।

(मुकेश मित्तल) निदेशक (आयोजना) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर।

सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

मसूदा, (निसं)। मसूदा कस्बे में चल रहे मेगा हाईवेनिर्माण कार्य को लेकर पिछले एक साल से चल रहे धीमी गति से कार्य ने कस्बेवासियो की हालत दयनीय कर दी है। साथ ही ठेकेदार द्वारा मनचाहे ढंग से सड़कों को उखाड़ कर कार्य बंद कर देने से बारिश के इस दौर में कस्बेवासी का इन मार्गों से गुजरना दुभर हो गया। मामले को लेकर सोमवार को विभाग के परियोजना निदेशक केदारनाथ मसूदा में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

कस्बे के मुख्य मार्गों की सड़क को उखाड़ देने एवं कच्ची सड़क पर भारी कीचड़ होने से आमजन को हो रही परेशानी को लेकर परियोजना निदेशक ने खासी नाराजगी जाहिर करते हुए मौके पर कार्यरत ठेकेदार के कर्मचारियों को लताड़ लगाई। साथ ही उखाड़ी गई सड़क को शीघ्र दुरस्त करने एवं सड़क पर फैले कीचड़ से आमजन को निजात दिलाने के सख्त निर्देश देते हुए। एक तरह निर्माण कार्य करने एवं दूसरी ओर आमजन के लिए आने जाने की सही व्यवस्था करने के दिशा निर्देश दिए। सबसे अहम बात यह है कि कस्बे के ब्यावर, केकड़ी मार्ग पर ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य करने के नाम पर केकड़ी मार्ग पर बने गौरव पंथ को करीब एक माह पूर्व पूरी तरह उखाड़ कर कार्य बंद कर दिया। जिससे बारिश के चलते पूरी सड़क पर कीचड़ व पानी भरने से कस्बेवासियों का निकलना दुश्वर हो रहा है।

एक घंटे अंधेरे में रहा जे.एल.एन. अस्पताल, 11 केवी की लाइन हुई क्षतिग्रस्त

चिकित्सकों ने टॉर्च की रोशनी में देखा मरीजों को

अजमेर, (कासं)। बीती रात शहर में हुई तेज हवा के साथ हुई बरसात के चलते 11 केवी की लाइन में ब्लास्ट होने से हुई बिजली गुल से संभाग का सबसे बड़ा जवाहर लाल नेहरु अस्पताल सोमवार को करीब एक घंटे से अधिक अंधेरे में रहा, जिसके चलते चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ सहित मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल आपातकालीन वार्ड सहित सभी वार्डो में चिकित्सकों ने टॉर्च की रोशनी में मरीजों को देखा।

मानसून के दौरान टाटा पावर के बिजली रख रखाव को लेकर किए जा रहे दावे खोखले साबित हो रहे हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शटडाउन लेकर काम किया जाता है। लेकिन जेएलएन अस्पताल से होकर गुजर रही 11 केवी की लाइन का तार तेज हवा के कारण अचानक टूट गया और ब्लास्ट होने से अस्पताल की बिजली गुल हो गई। करीब एक घंटे तक डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ सहित मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल में करीब एक घंटे तक बिजली बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी आपातकालीन विभाग में देखने को मिली। यहां पर डॉक्टर्स ने मोबाइल टॉर्च ऑन कर मरीजों को देखा। लाइट बंद होने से पर्ची काउंटर पर ऑन लाइन पर्चियां नहीं बनाई जा सकी। अस्पताल आने वाले मरीज भी परेशान हुए। उन्हें काफी देर इंतजार करने के बाद पर्ची मिली। अस्पताल प्रशासन ने लाइट बंद होने की सूचना टाटा पावर को दी। टाटा पावर ने शिकायत मिलने पर लाइन को ठीक करवाया।

डॉ. अरविंद खरे, जेएलएन अस्पताल अधीक्षक ने कहा कि बीती रात हुई तेज बारिश और हवा के कारण अस्पताल के पास 11 केवी की लाइन ब्लास्ट के साथ टूट गई थी, जिसके चलते अस्पताल के आपातकालीन वार्ड सहित अन्य वार्डों में लाइट बंद हो गई। टाटा पावर को सूचना देने के बाद लाइन को दुरुस्त करने के बाद लाइट आई।

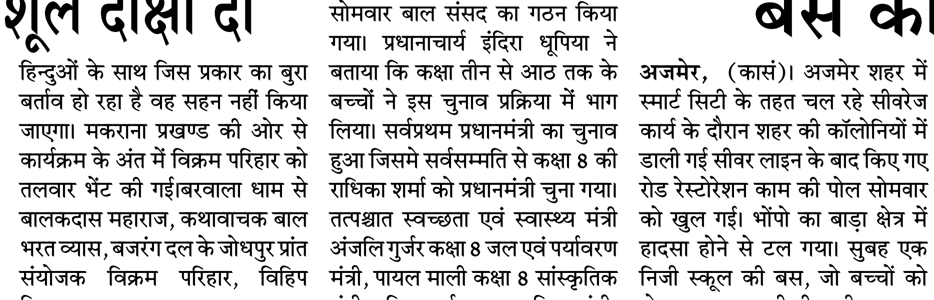
आपातकालीन विभाग में टॉर्च की रोशनी में मरीजों को देखते चिकित्सक।

बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक

अजमेर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में 28 सितम्बर को आयोजित होने वाले तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिए मोटर वाहन दुर्घटना एवं दावा प्रकरणों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत एवं न्यायाधीश मोटर वाहन दुर्घटना एवं दावा अधिकरण नीरज भारद्वाज एवं महेन्द्र कुमार ढ़ावी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश की अध्यक्षता में बीमा कंपनियों के अधिवक्ताओं एवं अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा मोटर वाहन दुर्घटना एवं दावा अधिकरण संबंधी नए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जारी गाइडलाइन के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मोटर वाहन दुर्घटना संबंधी मामलों में मृतक के आश्रितों को दी जाने वाले धनराशियों के संबंध में उच्चतम न्यायालय एवं भारत सरकार द्वारा जारी आदेशों के पालना के संबंध में भी निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में मोटर वाहन दुर्घटना संबंधी बीमा कंपनियों द्वारा किसी भी स्तर पर लंबित मामलों को लोक अदालत के भावना से आपसी राजीनामें के माध्यम से निस्तारण किए जाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा (राज.)

क्रमांक//न0पा0गु0/ कृषि भूमि /2024/788-791 दिनांक: 02-09-2024

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि नियमन के तहत पट्टे प्राप्त किए जाने के लिए निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए है जिसके निस्तारण किए जाने में किसी आम-खास/संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस में लिखित रूप से आपतिकर्ता मय अपने दस्तावेजो के इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपति दर्ज करवा सकते हैं। बाद मियाद आवेदक (अन्तिम क्रेता) के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

कृषि भूमि नियमन

क्र. सं.	रजिस्टर क्रमांक	दिनांक	नाम आवेदक	खसरा नं.	भूखण्ड संख्या	साईज	क्षेत्रफल वर्गगज	इकरारनामा/ रजिस्ट्री
1	154	23.08.24	श्री मिठ्ठूलाल प्रजापति पुत्र श्री हुक्मा लाल प्रजापति गुलाबपुरा	870/1, 871/1, 872, 873/ 4714/1	275	30X60	200	वैचान रजिस्ट्री
2	155	23.08.24	श्रीमती हुरमा बानू पत्नि श्री ईद मोहम्मद, आंगूचा	356	10, 11	50X50	277.77	वैचान रजिस्ट्री

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका गुलाबपुरा

AU SMALL FINANCE BANK

Registered Office : 19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001.
www.aubank.in

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from AU Small Finance Bank Limited ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **09 Sep 2024 between 11:00 AM - 3:00 PM (Time)** at below mentioned branches according to the mode specified therein. In the case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblink https://gold.samil.in)

JAIPUR - QUEENS ROAD - 23660001328105 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 23660002088468 | **JODHPUR ITI CIRCLE** - 23660001006012 23660002165553 | **KOTA -GHODE WALA CIRCLE** - 23660002103562 23660002103982 23660002111166 23660002181333 | **NOKHA** - 24660000212449 | **RATANGARH** - 23660002110518 | **SAGWARA** - 23660002098909 23660002117965 | **UDAIPUR - MADHUBAN** - 23660000865341 |

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/-
Manager
AU Small Finance Bank Limited

जिसे खेत जोतने को दिया था उसी ने साथियों के साथ मिलकर की हत्या

होमगार्ड भगवानाराम शर्मा के हत्यारे गिरफ्तार

तारानगर, (निसं)। तारानगर में चर्चित होमगार्ड भगवानाराम हत्याकाण्ड को लेकर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, उसमें आरोपी महिला अभी फरार है।

पुलिस के अनुसार होम गार्ड भगवानाराम शर्मा पुत्र कान्ता प्रसाद 3 अगस्त को शाम के समय अपने खेत को देखने के लिये गया था, भगवानाराम ने अपना खेत तारानगर के ही गोविन्दराम पुत्र ऋषी कुमार को हिस्से पर दिया हुआ था। गोविन्दराम के पास पहले से ही कुछ लड़के भी बैठे हुए थे। आपस की कहा सुनी होने के कारण गोविन्दराम ने अपने साथियों के साथ तार, लाठी व सरियों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। तारानगर पुलिस थाने में हुई पत्रकार वार्ता में चूरू एस पी जय यादव ने उक्त हत्याकाण्ड का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मिखाला की रोही में एक डेड बॉडी मिली है जिसकी पहचान होमगार्ड भगवानाराम के रूप में हुई। ब्लांइड मर्डर का केस था, हमने एक पुलिस टीम का गठन किया जिसकी अगुवाई डीवाईएसपी मिनाक्षी व तारानगर थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने की। टीम ने विभिन्न प्रकार जानकारियां जुटाकर उक्त हत्याकाण्ड के आरोपी गोविन्दराम, राकेश कुमार व सुरेश कुमार को गिरफ्तार किया।

तारानगर पुलिस ने होमगार्ड भगवानाराम की हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, महिला आरोपी अभी भी फरार**

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी गोविन्दराम के साथ एक महिला भी आरोपी है जो मुख्य आरोपी गोविन्दराम के साथ लिवइन में रहती है उसको भी अतिशीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा। एसपी चूरू ने बताया कि हत्या के आरोपी गोविन्दराम पर हरियाणा में अवैध हथियार रखने का एक मामला भी चल रहा है।

एसीबी ने 12 हजार की रिश्वत के साथ सीएचओ को दबोचा

संलिप्तता के आधार पर बीसीएमओ भी गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की दौसा इकाई ने सोमवार को दबिश देकर उपस्वास्थ्य केन्द्र पापडदा के संविदाकर्मी सीएचओ विजय मीणा को परिवादी से 12 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों तथा संलिप्तता के आधार पर चिकित्सा अधिकारी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नांगल राजावतान के बीसीएमओ डॉ. रामजीलाल मीणा को गिरफ्तार किया है। इधर एसीबी की इस कार्यवाही के बाद पूरे महकमें में हड़कम्प मच गया है।

एसीबी की दौसा इकाई ने संविदाकर्मी सीएचओ विजय मीणा व बीसीएमओ डॉ. रामजीलाल मीणा को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की दौसा इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी बकाया इन्सेंटिव राशि का भुगतान करने की एवज में आरोपी डॉ. रामजीलाल मीना चिकित्साधिकारी (एम.ओ.आई.सी.) अतिरिक्त चार्ज बी.सी.एम.ओ. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नांगल राजावतान, जिला दौसा द्वारा विजय मीना सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सी.एच.ओ.) संविदाकर्मी, डागोलाई उप स्वास्थ्य केन्द्र पापडदा, ब्लॉक नांगल राजावतान, जिला दौसा के माध्यम से प्रतिमाह 1 हजार रुपये कमीशन के हिसाब से 12 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरविजन में एसीबी की दौसा इकाई के उप अधीक्षक पुलिस नवल किशोर मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी विजय मीना सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सी.एच.ओ.) संविदाकर्मी, डागोलाई उप स्वास्थ्य केन्द्र पापड़दा, ब्लॉक नांगल राजावतान, जिला दौसा को परिवादी से 12 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी डॉ. रामजीलाल मीना चिकित्साधिकारी (एम.ओ.आई.सी.) अतिरिक्त चार्ज बी.सी.एम.ओ. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नांगल राजावतान, जिला दौसा को भी संलिप्तता के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

डमी अभ्यर्थी मामले में एजेंट पटवारी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। डमी अभ्यर्थी बिठाकर अध्यापक पात्रता परीक्षा में चयन करवाने के आरोपी एजेंट पटवारी चंद्रशेखर उर्फ शेखर बारिया निवासी काकनवानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ध्यान रहे कि जिला शिक्षा अधिकारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गीता पत्नी राकेश निवासी मुन्त्री पाड़ा ने रीट परीक्षा 2022 के उपरांत तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 में परीक्षा केंद्र पर अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की और हाल में वह तृतीय श्रेणी अध्यापक पद पर राउप्रावि पण्डवाल उकार में पद स्थापित है।

इस रिपोर्ट पर भारतीय दंड संहिता, आईटी एक्ट व अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की गभीरता को देखते हुए आईजीपी एस परिमला ने विशेष निर्देश दिए जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अठावाल के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी एजेंट चंद्रशेखर उर्फ शेखर बारिया पुत्र जयमल सिंह पटवारी तहसील कार्यालय पिंडवाड़ा जिला सिरोही को गिरफ्तार किया।

मासूम से दुष्कर्म के आरोपी का मकान बुलडोजर से तोड़ा

रिश्ते में नाना ने की थी दरिंदगी, सरकारी जमीन पर कर रखा था अतिक्रमण

सूरतगढ़, (निसं)। 4 साल की मासूम से दुष्कर्म के आरोपी नाना का घर पुलिस ने बुलडोजर से गिरा दिया। घटना के करीब 10 दिन बाद पुलिस टीम नगरपालिका प्रशासन की जेसीबी के साथ सरकारी जमीन पर बने आरोपी के घर पहुंची और मकान को तोड़ दिया। मामला श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ कस्बे का है।

सिटी थाना के कार्यवाहक दिलीप सिंह ने बताया कि 22 अगस्त की रात सूरतगढ़ में 4 साल की मासूम से रिश्ते में नाना ने दरिंदगी की थी। इसे लेकर पोक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया था, जिसकी जांच श्रीगंगानगर के महिला अपराध शाखा के डीएसपी रामकरण सिंह को सौंपी गई थी। इस मामले में आरोपी को तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

जांच के दौरान यह सामने आया कि दुष्कर्म के आरोपी व्यक्ति ने शहर में नगर पालिका की सरकारी जमीन पर कब्जा कर अपना घर बना रखा था। इस बारे में जांच अधिकारी ने एसपी गौरव यादव को रिपोर्ट पेश की थी। इसके बाद एसपी ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाए गए मकान को तोड़ने के आदेश दिए थे। पुलिस की टीम सोमवार दोपहर करीब 12 बजे आरोपी के सरकारी जमीन पर बनाए मकान पर पहुंची और जेसीबी से ध्वस्त कर दिया।

स्थानीय पुलिस सोमवार को नगर पालिका की टीम के साथ आरोपी के मकान पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया। पुलिस ने इस कार्रवाई से पहले आरोपी के मकान में रखा सारा सामान बाहर निकालकर नगर पालिका को सौंप दिया था। बच्ची की मां लोगों के घरों में खाना बनाने का काम करती है। 22 अगस्त की शाम को भी वो काम पर गई हुई थी। घर पर उसकी 4 साल और 2 साल की बेटियां थीं। इसी बीच आरोपी घर पहुंचा और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मां रात 9 बजे घर लौटी तो बड़ी बेटी रो रही थी और उसके कपड़ों पर खून लगा हुआ था। जमीन और बिस्तर पर भी खून था।

जब मां ने बेटी से पूछा तो उसने बताया कि नाना आए थे उन्होंने ये सब किया। इसके बाद महिला रात करीब 11 बजे अपनी बेटी को लेकर अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टर्स के मुताबिक बच्ची के आंतरिक अंगों पर गहरी चोट पहुंची थी। घटना की सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस मौके पर पंहुची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए थे।

आरपीएससी ने जारी किए विभिन्न भर्तियों के विज्ञापन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सोमवार को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2024 के अन्तर्गत राज्य सेवाएं के 346 एवं अधीनस्थ सेवाएं के 387 कुल 733 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा सहायक मत्स्य विकास अधिकारी के कुल 8 पद एवं समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड-।। के 68 पदों के लिए भी विज्ञापन जारी किए गए हैं। शैक्षिणक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि सहायक मत्स्य विकास अधिकारी के पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 11 सितंबर से 10 अक्टूबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक एवं समूह अनुदेशक/सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड-।। के पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन 17 सितंबर से 16 अक्टूबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं के पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन 19 सितंबर 2024 से 18 अक्टूबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे।

रिश्वत लेते एसीबी के हत्थे चढ़ा हैड कांस्टेबल

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर थाने का हैड कांस्टेबल दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर की टीम के हत्थे चढ़ गया। एसीबी टीम ने आरोपी हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया। है। आरोपी ने परिवाद में राजीनामा करवाने के नाम पर शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग की थी। अजमेर एसीबी टीम ने शिकायतकर्ता के सत्यापन के बाद कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी की टीम आरोपी से मामले में पूछताछ में जुटी है। टीम ने आरोपी के घर पर भी तलाशी ली है।

- **परिवाद में राजीनामे के लिए मांगी 10 हजार की रिश्वत**

रिश्वतखोर हैड कांस्टेबल।

एसीबी के एडिशनल एसपी भागचंद मीणा ने बताया कि जयपुर मुख्यालय पर शिकायतकर्ता द्वारा एक शिकायत दी गई थी, जिसमें बताया कि आदर्श नगर थाने का हेड कांस्टेबल सुरेश चंद द्वारा एक परिवाद में राजीनामा करवाने के नाम पर 10 हजार की रिश्वत राशि मांग कर परेशान कर रहा है। एसीबी के अधिकारियों ने शिकायतकर्ता की शिकायत का मामले में पहले भौतिक सत्यापन किया और उसके पश्चात सोमवार को कार्रवाही करते हुए टीम ने आदर्श नगर थाने के हेड कांस्टेबल सुरेश चंद को 10 हजार की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीटी की टीम मामले में हेड कांस्टेबल से पूछताछ में जुटी है, टीम ने आरोपी के घर पर तलाशी ली है।

पन्द्रह हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

झालावाड़, (निसं)। ए.सी.बी. की कोटा इकाई ने सोमवार को रायपुर में कार्यवाही करते हुये पटवारी पटवार हल्का कड़ौदिया झालावाड़ के पटवारी प्रहलाद कुमार गोस्वामी को परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी की कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि ए.सी.बी. की कोटा इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि हकत्याग तथा नामान्तरकरण करने की एवज में आरोपी पटवारी प्रहलाद कुमार गोस्वामी 20 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहा है।

शिकायत पर एसीबी कोटा इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्वर्णकार के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर सोमवार पुलिस निरीक्षक चन्द्रकंवर ने मय टीम के रायपुर, झालावाड़ में ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी पटवारी प्रहलाद कुमार गोस्वामी को परिवादी से 15 हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

51 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश से कार में तस्करी के लिए लाया जा रहा था अवैध रूप से गांजा

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना पुलिस ने आंध्र प्रदेश से कार से तस्करी कर लाये जा रहे अवैध गांजा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार से पुलिस ने अवैध 51 किलो 680 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने जप्त गांजे की अनुमानित कीमत 25 लाख 84 हजार रुपए आंकी है।

थाना अधिकारी मदन लाल बिश्नोई ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए तथा अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वालों पर अंकुश लगाने व निगरानी करने के अभियान अंतर्गत एडिशनल एसपी किशोरी लाल तथा आईपीएस अधिकारी प्रशांत के सुपरविजन में एस.आई. फरमान खान ने पुलिस दल के साथ सादुलपुर पिलानी सड़क पर स्थित गांव नीमां और हमीरवास के बीच नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान पिलानी की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी। जिसके चालक को पुलिस ने कार को रोकने का संकेत दिया तो कार चालक कार को सड़क पर ही घुमाकर हमीरवास जाने वाले कच्चे रास्ते पर भगा ले गया।

पुलिस ने कार का पीछा किया तथा थोडी ही देर बाद कार को रोक कर चालक से पूछताछ की तो वह घबरा गया। पुलिस ने कार की तलाशी तथा कार में प्लास्टिक के कट्टों में भरा हुआ अवैध गांजा होना पाया गया। जिस पर पुलिस ने मौके से ही अवैध रूप से तस्करी कर ले जाए जा रहे 51 किलो 680 ग्राम गांजा बरामद कर आरोपी राजेंद्र उर्फ मांदी पुत्र श्योराम मेघवाल उम्र 22 साल निवासी गुगलवा पुलिस थाना हमीरवास तथा प्रवेश पुत्र सतवीर प्रजापत उम्र पर 32 साल निवासी ताजपुर पुलिस थाना बापौली जिला पानीपत हरियाणा को गिरफ्तार कर कार को जप्त करने की कार्वाई की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर में 13 साल की लड़की से गैंगरेप

बीकानेर, (कासं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में 13 साल की मासूम के साथ गैंगरेप का मामला सामना आया है। चार युवक पीड़ित का किडनैप कर लेकर गए थे। इसके बाद अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगे। वारदात के बारे में किसी को बताने पर उसकी मां और भाई को जान से मारने की धमकी दी। घटना 15 अगस्त की जा रही है। मामला अब दर्ज हुआ है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में परिजनों ने बताया- श्रीडूंगरगढ़ के एक गांव में 13 साल की लड़की को चार युवक परेशान कर रहे थे। पीड़ित के स्कूल आते-जाते समय युवक उसके छेड़छाड कर अश्लील फब्तियां कस रहे थे। ऐसा करीब एक महीने से चल रहा था। 15 अगस्त को युवक पिकअप में डालकर किडनैप कर ले गए और गैंगरेप किया।

आरोपियों ने पीड़ित के अश्लील फोटो और वीडियो बनाए। वारदात के बारे में किसी को बताने पर पीड़ित की मां व भाई को जान से मार देने की धमकी दी। आरोपियों ने पीड़ित को जरबन एक फोन भी दिया और बुलाने पर नहीं आने पर उसके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी।

- **मां-भाई को मारने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल**

इससे पीड़िता डर गई और आरोपी आए दिन उसे गाड़ी में डालकर छेड़छाड करने लगे। परेशान लड़की ने रविवार को अपने घर में बताया। इसके बाद चारों युवकों मोमाराम, आशाराम, गोपाल व डूंगरराम के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच सीओ श्रीडूंगरगढ़ करेंगे।

चाकू मारकर युवक की हत्या

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके की खेड़ली फाटक में 21 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सामने आया है। यहां पर उसके ही दोस्तों ने चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय युवक के अन्य दोस्तों ने बीच बचाव करने की कोशिश की लेकिन वह उसे बचा नहीं सके। मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। भीमगंजमंडी थाना अधिकारी रामकिशन गोदारा का कहना है कि घटनाक्रम रविवार रात 12 बजे के आसपास की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन आरोपी तब तक मौके से फरार हो गए थे। घटना में खेड़ली फाटक बालाजी टॉउन निवासी 21 वर्षीय निखिल अग्रवाल की मौत हो गई है। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर अमन, मुकेश केवट, मोनू नागर सहित 5 युवकों के खिलाफ हत्या का नामजद प्रकरण दर्ज किया गया है।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/स्टोर शाखा/2024/3076 दिनांक :- 31.08.2024

-: ई-निविदा सूचना-2024-25 :-

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर परिषद द्वारा 01 कार्य की निविदा आईडी नम्बर (DLB2425WSRC07027) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.gov.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ़ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/24/4561

SKN COLLEGE OF AGRICULTURE
(Sri Karan Narendra Agriculture University) JOBNER- 303329 Distt. Jaipur (Raj.)
Phone: 01425-254022 (O), E-mail: dean.skncoa@sknau.ac.in, Website: https://skncoa.sknau.ac.in
No. F.( )/CS/SKNCOA/2024/1253 Date : 30/08/2024

NIB for Publication in Newspaper

Bids are invited up to 05:00 P.M. of 18.09.2024 for Video Wall, Sound System, Tower AC, Online UPS etc. The details are available in the Bidding Documents which can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website "sppp.raj.nic.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.sknau.ac.in". The bidding document after filling up properly can be uploaded on website "https://eproc.rajasthan.gov.in" along with payment of Rs.1000/- through banker's cheque/demand draft in favour of Dean, SKN College of Agriculture, Jobner-303329.

UBN: SKN2425GLOB00131
Raj.Samwad/C/24/4545 DEAN

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर,
फोन नं: 0141-2700459, E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक :- F-5(1)(260)RCSCE/Civil/SMSA/NIT 05 2024-25/2024/Vol-2/D-3638 दिनांक :- 30/08/2024

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 05 (सिविल)/2024-25
(राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल के निर्माण कार्यों हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा एवं डी.एम.एफ.टी योजनान्तर्गत स्वीकृत 15 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 5104.34 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 203.57 लाख से 412.25 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से अल्पकालीन ई-निविदाऐं 02/09/2024 प्रातः 10:00 बजे से 09/09/2024 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

UBN :- RSE2425WSOB01041

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी।

राज.संवाद/सी/24/4543 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

सुमेल बांध में डूबे युवक का शव 40 घंटे बाद निकाला

एसडीआरएफ टीम व प्रशासन की कड़ी मशक्त के बाद मिली सफलता

गंगापुर सिटी, (निसं)। अमरगढ चौकी के पास स्थित सुमेल बांध में नहाते समय पैर फिसलने से डूबे युवक का शव 40घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने निकाल लिया। टीम को सोमवार सुबह करीब साढे 6 बजे यह सफलता मिली। बाद में शव को अमरगढ चौकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया और मेडिकल टीम से पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

सपोटरा तहसील के खिदरपुर निवासी ज्ञान सिंह उर्फ लालू पुत्र पहलवान सिंह उर्फ भंवर सिंह जादौन रक्षाबंधन के त्योहार पर मच्छीपुरा में अपनी बहन के यहां पर आया था और तभी से वह अपनी बहन के पास में रुका हुआ था। शनिवार शाम को वह कुछ दोस्तों के साथ अमरगढ चौकी के पास सुमेल बांध में नहाने के लिए गया था। इसी दौरान ज्ञान सिंह का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।

बांध के पानी से युवक का शव निकालती एसडीआरएफ टीम।

आस पास के लोगों ने ज्ञान सिंह को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। लोगों ने फिर ग्रामीणों को सूचना दी। मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। सूचना पर सरपंच लाल अमरगढ भी मौके पर पहुंचे। लाला अमरगढ और अन्य ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना के बाद सदर थाना पुलिस और तलवाडा तहसीलदार मौके पर पहुंचे। साथ ही गंगापुर सिटी से सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची।

- **दो दिन पहले सुमेल बांध में पांव फिसलने से बह गया था युवक**

प्रशासन की सूचना पर भरतपुर से एसडीआरएफ की टीम भी आ गई और टीम ने रेस्क्यू का काम किया शुरू किया, लेकिन अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू का काम रोकना पडा। रविवार सुबह तहसीलदार तलवाडा और सदर थाना अधिकारी पन्नालाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम ने एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन पूरे दिन रेस्क्यू टीम के द्वारा काफी छानबीन करने के बाद देर शाम तक भी कोई सुराग नहीं लग पाया। एक बार फिर रात होने के कारण और अंधेरा होने से रेस्क्यू में हो रही परेशानी के बाद रेस्क्यू टीम के द्वारा खोजबीन अभियान रोकना पडा।

सोमवार सुबह करीब साढे 6 बजे टीम कमांडर हेड कॉन्स्टेबल कंवरपाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम के द्वारा एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस दौरान पौन घंटे बाद एसडीआरएफ की टीम को ज्ञान सिंह के डूबने के स्थान से करीब 400 से 500 मीटर दूर पानी में युवक का शव दिखाई दिया। बाद में टीम ने मिट्टी में धंसे ज्ञान सिंह के शव को बाहर निकाला और रबर वोट के जरिए सुरक्षित निकालकर बाहर लेकर आई। ज्ञान सिंह का शव करीब 40 घंटे तक पानी में रहने के कारण पूरी तरह से अकड गया था और शरीर फूल गया था। बाद में पुलिस शव को लेकर अमरगढ चौकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और यहां पर मेडिकल टीम से पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्र.-सं. संक्षिप्त वि.सं. 11-13/ Exam/AFDO-Fishries Dept., G.I.- DTE & R.A.S.-R.T.S./2024-25
दिनांकः 02.09.2024

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 03 विज्ञापनों के तहत् ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। उक्त विज्ञापनों के तहत् विज्ञापित पदों की शैक्षिणक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	मत्स्य विभाग	सहायक मत्स्य विकास अधिकारी	11/ 2024-25	08	11.9.2024 से 10.10.2024
2	कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, प्राविधिक शिक्षा निदेशालय	समूह अनुदेश/ सर्वेयर/सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड-।।	12/ 2024-25	68	17.9.2024 से 16.10.2024
3	कार्मिक (क-4/2) विभाग	राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं	13/ 2024-25	733	19.9.2024 से 18.10.2024

अन्य बिन्दु व सूचनाः एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षाओं के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोन्धिक किया जाए।

(रामनिवास मेहता) सचिव

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर अभियान का आगाज किया

जयपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान का आगाज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदस्यता ग्रहण कर किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश के प्रधान सेवक को पार्टी की सदस्यता दिलवाई। सदस्यता अभियान शुभारंभ कार्यक्रम देशभर में सीधा प्रसारण किया गया। देश के प्रत्येक भाजपा शासित राज्यों, जिला, मंडल और बूथ स्तर पर कार्यक्रम लाइव किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में अभियान के प्रदेश प्रभारी डॉ अरूण चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ मुख्यमंत्री निवास पर अभियान का सीधा प्रसारण देखा।

- **भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और सीएम भजनलाल शर्मा ग्रहण करेंगे पार्टी की सदस्यता : अरूण चतुर्वेदी**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने पुनः सदस्य बनाकर सोमवार को नई दिल्ली में संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 की शुरूआत की। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री निवास में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को देखा। उन्होंने प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, गृहमंत्री एवं रक्षा मंत्री सहित विभिन्न नेताओं का उद्बोधन भी सुना।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में शहर सांसद मंजू शर्मा, विधायक देवी सिंह शेखावत, भागचंद टाकड़ा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीआर चौधरी, नारायण पंचारिया, मोतीलाल मीणा, प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल, पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, आईटी संयोजक अविनाश जोशी, सोशल मीडिया संयोजक हिरेन्द्र कौशिक, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित भाजपा विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभागों के संयोजक-सह संयोजक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभियान के प्रदेश प्रभारी डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर राष्ट्रीय स्तर अभियान का आगाज कर दिया। अब मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुबह 12 बजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके बाद 4 सितंबर को प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि प्रेस वार्ता के माध्यम से अभियान को लॉन्च करेंगे।

अभियान के प्रदेश सह संयोजक मोतीलाल मीणा ने बताया कि भाजपा प्रदेश में सवा करोड़ सदस्यों को पार्टी परिवार का सदस्य बनाएंगी। इसके लिए राजस्थान के 51 हजार 700 बूथों पर भाजपा कार्यकर्ता को 200-200 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत मिस्ड कॉल, नमो ऐप, वेबसाइट और क्यूआर कोड स्कैन करके कोई भी व्यक्ति सदस्य बन सकता है। अभियान दो चरणों में चलेगा। पहला चरण 25 सितंबर तक और दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

यू.डी.एच. मंत्री खर्रा से मिला प्रतिनिधि मंडल

जयपुर। बगरू विधायक डॉक्टर कैलाश वर्मा के नेतृत्व में यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा से सिरोली आवासन मंडल निस्तारण संघर्ष समिति के लोगों ने मुलाकात की। इस अवसर पर समिति सदस्य आशा शर्मा (भाजपा बगरू पूरब मंडल अध्यक्ष), रामलाल मीणा (सरपंच ग्राम पंचायत सिरोली), रमेश प्रजापत (पूर्व सरपंच) वरिष्ठ भा.ज.पा. कार्यकर्ता प्रसाद शर्मा, कल्याण सहाय चौधरी, लादूराम शर्मा, नानगराम मीणा, रामस्वरूप मीणा, जगदीश नारायण मीणा, भगवान सहाय शर्मा ने सिरोली आवासन मंडल भूमि के निस्तारण को लेकर मंत्री के निवास स्थान भगत सिंह मार्ग सी-स्कीम पर मुलाकात कर ज्ञापन दिया।

इस विषय को संज्ञान मे लेते हुए मंत्री ने 3 दिवस के अंदर विभागीय जानकारी प्राप्त कर पुनः बैठक का समय निर्धारित करने को कहा। समिति के मुद्दे को गंभीरतापूर्वक लेते हुए मंत्री ने अधिकारियों को इस विषय पर जानकारी प्राप्त कर रिपोर्ट पेश करने को कहा। इससे पूर्व में भी 20 जुलाई को समिति के सदस्यों ने मुख्यमन्त्री भजनलाल शर्मा को सिरोली बस स्टैंड पर निस्तारण हेतु ज्ञापन दिया था।

भार्गव को जिला संयोजक बनाया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जयपुर शहर के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र भार्गव को अभियान का जयपुर शहर जिला संयोजक बनाया है।

जयपुर में नूर का बांध टूटा, लाशें बहने लगी

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में आज सुबह खो-नागोरियान स्थित नूर का बांध टूट गया। बांध टूटने से पानी कब्रिस्तान तक चला गया। इससे 5 शव कब्र से बाहर निकल आए और पानी में बहने लगे। सूचना मिलने पर खो-नागोरियान पुलिस मौके पर पहुंची। बांध के पास तुरंत पुलिस बल तैनात किया गया, जो अभी तक मौजूद था।

स्थानीय पुलिस के अनुसार तेज बारिश के कारण सोमवार सुबह नूर का बांध की दीवार टूट गई। दीवार टूटने से बांध का पानी कब्रिस्तान में आ गया। कब्रिस्तान में भरे पानी में लाशों को देखकर लोगों ने रस्सी से लाशों को पानी से बाहर निकाला।

- **लोगों ने पानी में उतरकर पांच शवों को निकाला**

प्राप्त जानकारी के अनुसार झालाना की पहाड़ियों के पीछे स्थित बांध की भराव क्षमता करीब 25 फीट है। अच्छी बारिश के चलते बांध पूरा भर गया था। रविवार रात को तेज बारिश होने के कारण दीवार के ऊपर से पानी निकलने गया। दीवार का एक हिस्सा टूट गया। इससे 300 मीटर दूरी पर कब्रिस्तान की चारदीवारी का हिस्सा पानी से ढह गया और पानी अंदर चला गया। इससे कब्र से 5 लाशें बाहर आ गई और पानी में बहते हुए नाले तक पहुंच गई। लोगों ने देखा तो लाशों को बाहर निकाला।

जयपुर में सोमवार को सुबह नूर का बांध की दीवार टूटने से कब्रिस्तान में भरे पानी में लाशों को देखकर लोगों ने रस्सी से लाशों को पानी से बाहर निकाला।

'संस्कृति को आत्मसात् करने के लिए संस्कृत जरूरी'

राज्य स्तरीय विद्वत सम्मान समारोह में संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिभाएं-संस्थाएं सम्मानित

जयपुर, (का.सं.)। संस्कृत दिवस अन्तर्गत राज्य स्तरीय विद्वत सम्मान समारोह सोमवार को कोटा यूआईटी ऑडिटोरियम में मंत्रोच्चारों, संस्कृत गायन, वाचन के सुसंस्कृत वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य एवं अकादमिक क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर मुख्य अतिथि थे। ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर अध्यक्ष, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा विशिष्ट अतिथि, सारस्वत अतिथि अध्यक्ष, भारतीय भाषा-समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री एवं संस्कृत विद्वानों के सानिध्य में आयोजन हुआ।

- **संस्कृत से संस्कारवान मनुष्य सही राह पर चलते हैं जबकि संस्कृत और संस्कृति विहीन पशुत्व की ओर जाते हैं : मदन दिलावर**
- **संस्कृत केवल भाषा ही नहीं बल्कि संस्कृति की संवाहक है : हीरालाल नागर**

मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी संस्कृति को आत्मसात् करने के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्कृत से संस्कारवान मनुष्य सही राह पर चलते हैं जबकि संस्कृत और संस्कृति विहीन पशुत्व की ओर जाते हैं। उन्होंने शिक्षकों का आव्हान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी विद्यार्थियों को दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के स्तर पर संस्कृत के विस्तार और इसे जन भाषा बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इस अवसर पर जन समूह का आव्हान किया कि पर्यावरण और गौवंश के संरक्षण के लिए पोलिथीन के उपयोग को वर्जित करें। साथ ही, गोपालन कर पंचगव्यों को अपनाएं।

अध्यक्षता कर रहे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा ही नहीं बल्कि संस्कृति की संवाहक है। इसके विस्तार की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का हमारा संकल्प और भारत की पुनः विश्व गुरू के रूप में प्रतिष्ठापना संस्कृत के सानिध्य से ही संभव है। विशिष्ट अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने संस्कृत और संस्कृति के संबंध को रेखांकित करते हुए संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन का आव्हान किया।

सारस्वत अतिथि अध्यक्ष, भारतीय भाषा-समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री ने अपने उद्बोधन में संस्कृत की मौजूदा स्थिति और भविष्य की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प साकार करने के लिए संस्कृत शिक्षा का विस्तार करना होगा। संस्कृत के प्रयोग क्षेत्र को बढ़ाना होगा। संस्कृत को न्याय, विज्ञान, तकनीक, उद्योग, वाणिज्य सभी क्षेत्रों की भाषा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत शिक्षा को आंकाक्षी और रोजगारदायिनी तथा कौशल संवर्धन का जरिया भी बनाया जाए, इंटर्नशिप की भी व्यवस्था हो ताकि नई पीढ़ी इससे जुड़ सके। रामदास महाराज लटूरी वाले ने संस्कृत की महिमा का बखान करते हुए नई पीढ़ी से जुड़ाव की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर आयुक्त संस्कृत शिक्षा विजयपाल सिंह, संयुक्त शासन सचिव कैलाश चंद यादव, संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया एवं अन्य लोग समारोह में उपस्थित रहे।

संस्कृत साधना शिखर सम्मान अटरू बारां के बाबा निरंजन नाथ मान्यागढ़ को राशि एक लाख से सम्मानित किया गया। संस्कृत साधना सम्मान 51 हजार रुपये से प्रो. गणेश लाल सुथार जोधपुर तथा प्रो. कृष्ण शर्मा जयपुर को नवाजा गया। संस्कृत विद्वत सम्मान 31 हजार की राशि से माणक चन्द सोनी चेचट डॉ. कैलाश चन्द बुनकर जयपुर, डॉ. छाजूराम गुर्जर जयपुर, बहादुर सिंह गुर्जर सवाईमाधोपुर, डॉ. भगवती शंकर व्यास उदयपुर, डॉ. बाबूलाल मीना भरतपुर को सम्मानित किया गया। संस्कृत युवा प्रतिभा पुरस्कार राशि 21 हजार से उर्मिला बैरवा, डॉ. कृष्णा शर्मा, डॉ. जितेन्द्र कुमार गौतम, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. नानूराम जाट, बुद्धीप्रकाश जांगिड़, डॉ. राकेश कुमार जैन, डॉ. रामेश्वर दयाल शर्मा, डॉ. शशि कुमार शर्मा, डॉ. सुभाष चन्द मीणा, डॉ. घनश्याम हरदेनीया, प्रशांत शर्मा, मंत्रालयिक सेवा सम्मान 11 हजार रूपये राशि से गणपत लाल तथा गीता भम्भाणी को सम्मानित किया गया।

विशिष्ट सम्मान महंत अंजन कुमार गोस्वामी गोविंद देव जी मंदिर जयपुर, कुमार तोषनीवाल पुष्कनारायण तोषनीवाल चेरीटेबल ट्रस्ट, चन्द्रशेखर शारदा, देवनारायण जैमन, प्रियव्रत चारण, कुल सचिव ज.रा. राजस्थान संस्कृत विश्व विद्यालय जयपुर, डॉ. ज्योत्सना सिखवाल, निदेशक विश्व भारती महा विद्यालय सीकर, ओमप्रकाश गुप्ता अध्यक्ष केशव विद्यापीठ जयपुर, शिवा सरस्वती, डॉ. हेमा सरस्वती, सनातन पुरी थेगड़ा धाम, रामदास महाराज सांगोद, घनश्याम शर्मा कोटा, नरोत्तम पुजारी सालासर बालाजी धाम को सम्मानित किया गया।

हाईकोर्ट परिसर की कैंटीन और दुकानों पर खाद्य सुरक्षा टीम की छापेमारी

जयपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट परिसर की कैंटीनों और दुकानों पर निरीक्षण कर जांच की। जहां जांच के दौरान टीम को कैंटीन में सड़े गले आलू- प्याज, एक्सपायरी डेट के मसाले,जंग लगे हुए मसाला दानी, बेसन में पड़ी हुई इल्लियां,दीवारों पर जबरदस्त गंदगी मिली।

अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि राजस्थान बार काउंसिल के अध्यक्ष भुवनेश शर्मा की ओर से हाईकोर्ट परिसर में चल रही कैंटीनों की जांच के लिए लिखा था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने सोमवार को हाई कोर्ट परिसर में स्थित सभी कैंटीन का निरीक्षण किया। सभी कैंटीन बिना फूड लाइसेंस के संचालित पाई गई जिसमें मुख्य रूप से मेसर्स गिरधर गोपाल एंटरप्राइजेज ई ब्लॉक में स्थित रसोई घर में भारी मात्रा में गंदगी पाई गई। सभी के फ्रिज में खतरनाक ब्लैक फंगस लगी हुई थी। मसाले के पैकेट एक्सपायरी पाए गए। इसके अतिरिक्त जंग लगे हुए डिब्बे भी पाए गए। जिनमें मसाला अन्य सामग्री रखी हुई थी। मसालदानी भयंकर गंदी और जंग लगी मिली, जंग लगे पीपे तथा हाइजीन और सेनिटेशन की स्थिति बहुत ही दयनीय पाई गई। सरकारी कर्मचारी कैंटीन पर भी फूड लाइसेंस नहीं पाया गया यहां पर भी जंग लगे हुए डिब्बे पाए गए जिनमें रखे हुए बेसन और आटे पर ईलिया चल रही थी।

यहां फूड कलर के डिब्बे पाए गए जो की चटनी में डाले जाते हैं जिन्हें मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

जयपुर के मोती डूंगरी मंदिर में नौ दिवसीय गणेशोत्सव के तहत सोमवार को कत्थक नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मंगलवार को भी कथक नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। बुधवार को मोदकों की भव्य झांकी सजाई जायेगी।

जलदाय विभाग को निगम बनाने से रोकने की मांग

जयपुर। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा ने सिविल लाईन्स सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने विधायक को ज्ञापन देकर जलदाय विभाग को निगम बनाने से रोकने के लिए मांग रखी। महेन्द्र शर्मा ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यो एवं राजसेवकों की सेवायें राजस्थान जल प्रदाय एवं सीवरेज निगम को हस्तांतरित किये जाना आमजन के साथ-साथ कर्मचारी हित में भी नही होने के कारण शासन सचिव, पीएचईडी द्वारा दिनांक 27 जुलाई को को निर्णय लिया गया था कि "राजस्थान जलप्रदाय एवं सीवरेज निगम एक्ट-1979 के क्लॉज-23 जिसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अभियंताओं एवं कार्मिकों की सेवाऐं सरप्लस घोषित कर निगम के अधिकारी व कार्मिक बनाए जाने का प्रावधान वर्णित है, को निरस्त कर विभाग के अभियंताओं एवं कार्मिको की सेवाए प्रतिनियुक्ति पर ही लेने का प्रावधान करने हेतु आवश्यक संशोधन एक्ट में किया जावेगा"। परंतु लगभग एक माह का समय व्यतीत होने के उपरान्त भी इस संशोधन की कार्यवाही अपेक्षित है। महेन्द्र शर्मा ने विधायक गोपाल शर्मा से मांग रखी कि राज्य सरकार से जलदाय विभाग को जल निगम बनाने के फैसले को रूकवाने के लिए कोशिश करें। बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान संघ के विधिक सलाहकार गंगाराम शर्मा एंव मनीष मिश्रा उपस्थित रहे।

कृषि यंत्र खरीद पर मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान

जयपुर। खेती-किसानी में कृषकों द्वारा बुआई, जुताई और बिजाई जैसे कठोर कार्य किये जाते हैं। इन्हीं कार्यो को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के प्रावधानों के अन्तर्गत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर अनुदान देकर लाभान्वित किया जायेगा, जिससे किसानों पर आर्थिक भार कम पडेगा और कृषि कार्य आसान हो जायेंगे।

कृषि आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि योजना के अन्तर्गत राज्य में लगभग 66 हजार किसानों को 200 करोड़ रूपये का अनुदान दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। इसके लिए कृषक 13 सितम्बर तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु, सीमान्त एवं महिला किसानों को ट्रेक्टर की बीएचपी के आधार पर लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत तक तथा अन्य श्रेणी के कृषकों को लागत का अधिकतम 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। लघु एवं सीमान्त श्रेणी के किसानों को ऑन-लाईन आवेदन से पूर्व जन आधार में लघु एवं सीमान्त श्रेणी जुड़वाना आवश्यक है, आवेदन के दौरान उक्त प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। कृषि आयुक्त ने बताया कि राज किसान साथी पोर्टल पर ई-मित्र के माध्यम से जनाधार कार्ड, जमाबंदी की नकल, कृषि यंत्र का कोटेशन आदि दस्तावेजों की सहायता से ऑन-लाईन आवेदन कर सकते हैं। किसानों को राज्य में प्रचलित ट्रैक्टर संचालित सभी प्रकार के कृषि यंत्र जैसे रोटावेटर, थ्रेसर, कल्टीवेटर, बंडफार्मर, रीपर, सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, डिस्क हेरो, प्लॉउ आदि यंत्रों पर अनुदान दिया जायेगा। किसान द्वारा कृषि यंत्रों को पंजीकृत फर्म से खरीदने तथा सत्यापन के बाद अनुदान उनके जनाधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।

जे.जे.एस. आयोजन समिति के सदस्यों ने पौधारोपण किया

जयपुर ज्वैलरी शो की आयोजन कमेटी के सदस्यों ने राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में पौधारोपण किया।

जयपुर। पर्यावरण सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक पहल के रूप में जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) के आयोजन समीति के सदस्यों ने राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर और यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा के आवास पर पौधारोपण किया। कुलपति ने टीम जेजेएस के इस कदम का स्वागत किया। यह आयोजन जेजेएस द्वारा सृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था। इस अवसर पर जेजेएस आयोजन समिति के चेयरमैन, विमल चंद सुराणा, जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन, जेजेएस, उपाध्यक्ष, दिनेश खटोरिया, सृष्टि फाउंडेशन के संस्थापक, विवेक शर्मा सहित जेजेएस आयोजन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजीव जैन ने बताया कि जेजेएस हमेशा से पर्यावरण की रक्षा और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में यह पौधारोपण अभियान शुरू किया गया है। इसके पहले चरण में 200 पौधे लगाए गए। हमारी योजना जेजेएस 2024 में कुल बूथों की संख्या जितने यानी 1200 पौधे लगाने की है।

10 हजार पौधे बांटेगा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से शहर में 6 स्थानों पर करीब 10 हजार फलदार व छायादार पौधे वितरित किये जाएंगे।

जेडीए आयुक्त मंजू राजपाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 4 सितम्बर 2024 से जेडीए प्रशासन की ओर से आमजन को निम्नानुसार वितरण केन्द्रों पर 10 हजार पौंधे वितरित किये जायेंगे।

भीलवाड़ा और पाली नगर परिषद् बनीं नगर निगम

स्वायत्त शासन विभाग ने जारी की अधिसूचना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार ने भीलवाड़ा और पाली नगर परिषद् को नगर निगम घोषित किया है। इसके साथ ही 3 नए नगर परिषद, 4 नगर पालिकाओं को क्रमोन्नत किया गया है। जबकि 7 ग्राम पंचायतों को नगर पालिका घोषित किया गया है।

- **इसी प्रकार नगर पालिका पुष्कर, नगर पालिका लालसोट और नगर पालिका शाहपुरा (जयपुर) को नगर परिषद् घोषित किया है।**
- **इसके अलावा दौसा की महवा, चूरू की तारानगर, सीकर की लोसल और दौसा की बांदीकुई नगर पालिका को क्रमोन्नत किया गया है**
- **इसके अलावा 7 ग्राम पंचायतों को नगर पालिका घोषित किया**

स्वायत्त शासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार भीलवाड़ा नगर परिषद और पाली नगर परिषद को नगर निगम घोषित किया गया है। इसी प्रकार नगर पालिका पुष्कर, नगर पालिका लालसोट और नगर पालिका शाहपुरा (जयपुर) को नगर परिषद घोषित किया है। साथ ही दौसा की महवा, चूरू की तारानगर, सीकर की लोसल और दौसा की बांदीकुई नगर पालिका को क्रमोन्नत किया गया है।

अधिसूचना के अनुसार अब जोधपुर की ग्राम पंचायत कुड़ी भगतासनी और तिंवरी, जयपुर की ग्राम पंचायत जमवारामगढ़, झुंझुनूं की ग्राम पंचायत डूंडलोद, सुलताना और जाखल के अलावा जालोर की ग्राम पंचायत सायला को चतुर्थ श्रेणी नगर पालिका घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत कुड़ी भगतासनी के सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए विद्यमान सीमाएं ही नवगठित नगर पालिका की स्थानीय सीमाएं रहेंगी। जबकि निर्वाचित सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच नवगठित नगर पालिका में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और वार्ड सदस्य होंगे।

शुचि त्यागी ने संभाला अतिरिक्त कार्यभार

जयपुर। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा सहकारिता विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी ने सोमवार को महिला एवं बाल विभाग की शासन सचिव के पद का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव के कार्यग्रहण के पश्चात निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं ओ.पी.बुनकर ने मुलाकात कर विभागीय कार्य, योजनाओं की जानकारी दी।

शुचि त्यागी ने सोमवार से शुरू हुए राष्ट्रीय पोषण माह को सफल बनाने के लिए सघनता से कार्य किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने छः गतिविधियों आधारित इस अभियान की गतिविधि एनीमिया जाँच के सम्बन्ध में निर्देश दिए। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं की एनीमिया जाँच करने तथा अभियान की वृहद स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट ने रिपेनल के आधार पर पी.पी., ए.पी.पी. की नियुक्ति पर लगायी रोक

सरकार को जारी किया नोटिस, जवाब के लिए दिया 6 सप्ताह का समय

नियुक्तियों को लेकर सोमवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्य में लोक अभियोजक (पीपी) और अपरलोक अभियोजक (एपीपी) की नियुक्तियों को लेकर सोमवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने अजमेर के लोक अभियोजक विवेक पाराशर, अपर लोक अभियोजक राजेश कुमार ईणानी और राजेन्द्र सिंह राठौड़ की याचिका पर सुनवाई करते हुए, रिपेनल के आधार पर पीपी और एपीपी के पदों पर की जा रही नियुक्तियों पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं, साथ ही सरकार को नोटिस जारी कर छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता जावेद खान ने न्यायालय में पक्ष रखा। याचिका में कहा गया कि सरकार द्वारा लोक अभियोजक और राजकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया विधि विरुद्ध है। इस मामले को पूर्व में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा में भी उठाया था, जिसके चलते विधि मंत्री के पुत्र को अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। याचिका में बताया गया कि 26 जून 2024 को विधि एवं विधिक कार्य विभाग के शासन सचिव राजेश गुप्ता द्वारा जिला कलेक्टरों को पत्र भेजा गया था, जिसमें पीपी, एपीपी, विशिष्ट लोक अभियोजक और राजकीय अधिवक्ताओं की नियुक्तियों के लिए अधिवक्ताओं का अतिरिक्त पैनल मांगने के निर्देश दिए गए थे।

इस प्रक्रिया को याचिकाकर्ताओं ने चुनौती दी, जिसके बाद न्यायालय ने इस पर रोक लगाते हुए सरकार से जवाब तलब किया है।

सोमवार को प्रेसवार्ता आयोजित कर लोक अभियोजक विवेक पाराशर, सहित राजकीय अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह राठौड, राजेश कुमार ईणानी, ब्रजेश कुमार पाण्डे, विक्रम सिंह शेखावत, मंजुर अली, गंगाराम रावत, अशरफ बुलंद खान, गुलाम नजमी फारूखी, रूपेन्द्र कुमार परिहार, अशोक गुर्जर आदि ने प्रेसवार्ता आयोजित कर जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि न्यायालय ने सरकार की नियुक्ति प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को नए सिरे से विधिवत प्रारंभ किया जाना चाहिए। इस मामले में उच्च न्यायालय के जोधपुर और जयपुर बेंच में भी सुनवाई चल रही है। मालूम हो कि अजमेर के अधिवक्ता सुनील समदरिया ने भी उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने अतिरिक्त महाधिवक्ता पदमेश मिश्रा की नियुक्ति को लिटिगेशन पॉलिसी के विपरीत बताया है। इसके चलते न्यायालय ने सरकार को इस पर भी नोटिस जारी किया है। राजकीय अधिवक्ता संघर्ष समिति ने मांग ने मांग की है कि सभी नियुक्तियों की प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू किया जाए और उच्च न्यायालय के आदेश की पालना सुनिश्चित की जाए।

अभियान के तहत 162 अपराधियों को किया गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार एक दिवसीय अभियान के तहत जिले के समस्त थानों द्वारा आपराधिक तत्वों, वांछित अपराधियों, अवैध खनन के विरूद्ध कार्रवाई, गैर जमानती वारंट, 299 जा. फौ. / धारा 173 (8) जा. फौ. में फरार अपराधियों, घोषित अपराधियों, जैर तफतीश प्रकरणों में फरार वांछित मुल्जिामानों के साथ साथ ईनामी अपराधियों एवं थाना व जिला स्तर के टॉप-10 अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर एक दिवसीय अभियान के तहत एरिया डोमीनशन की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान जिला पुलिस के 155 पुलिस कर्मियों को सम्मिलित कर कुल 39 टीमों का गठन किया जाकर जिले के विभिन्न स्थानों के साथ साथ जिले के बाहर व राज्य के बाहर करीबन 239 स्थानों पर दबिश दी गई। इस दौरान कुल 162 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

दबिश के दौरान जिला पुलिस की समस्त टीमों ने प्रभावी कार्रवाई की जिसमें स्थाई वारण्टी अपराधी 26, गिरफ्तारी वारण्ट 65 टॉप-10 अपराधी 4, जघन्य अपराधो में वांछित अपराधी 2, अन्य प्रकरणों में वांछित अपराधी 5 , अन्य कार्रवाई की गई।

आत्मीय समारोह में साहित्य अमृत सम्मान प्रदान किया

- राम जैसवाल, बक्शीश सिंह और गोपाल माथुर को साहित्य अमृत सम्मान प्रदान

अजमेर, (कासं)। शहर के वरिष्ठ साहित्यकार राम जैस्वाल, बक्शीश सिंह और गोपाल माथुर को आज एक आत्मीय समारोह में साहित्य अमृत सम्मान प्रदान किया गया। प्रगतिशील लेखक संघ, लिटरेरी सोसाइटी ऑफ इंडिया और अजयमेरु प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी डी.एल. त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर तीनों वरिष्ठ साहित्यकारों को शॉल, श्रीफल और मानपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रासबिहारी गौड़ ने कहा कि यह समारोह अपने अनुभवों और संवेदनाओं की विरासत शब्दों के माध्यम से कई पीढ़ियों तक पहुँचाने वाले अपने अग्रजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन की भावना से आयोजित किया गया है। आज सम्मानित होने वाले साहित्यकार उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्होंने न केवल इस शहर को साहित्यिक संस्कार दिए बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से पूरे देश भर में एक पहचान भी दी।

इस अवसर पर डॉ. अनंत भटनागर ने राम जैस्वाल के व्यक्तित्व और कृतित्व की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 1935 में जन्मे जैस्वाल उन विरले रचनाकारों में से एक हैं जिनकी सृजन यात्रा करीब सात दशकों से अनवरत जारी है। जैस्वाल की विशेषता यह भी है कि उनकी साहित्य और कला दोनों ही क्षेत्रों में समान रूप से प्रतिष्ठा है। एक ओर जहाँ धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान और सारिका जैसी चर्चित पत्रिकाओं के माध्यम से उनकी ख्याति देश भर में पहुँची, वहीं भारत के विभिन्न शहरों में आयोजित अपनी चित्र प्रदर्शनियों के माध्यम से उन्होंने चित्रकला जगत में भी अपनी खास पहचान बनायी। इस अवसर पर राम जैस्वाल को दिए गए सम्मान पत्र का वाचन मधु खंडेलवाल ने किया।

इस अवसर पर राम जैस्वाल, बक्शीश सिंह, गोपाल माथुर, नवलकिशोर भाबड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रासबिहारी गौड़ ने किया। आभार प्रदर्शन रमेश अग्रवाल ने किया।

कमेटी के आबिद देशवाली सदर नियुक्त

अजमेर, (कासं)। बाबा फूल पीर साहब के जमात खाने में सुन्नत वल जमात की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बारा शहर काजी अब्दुल कय्यूम ने की। मोहम्मद आबिद देशवाली को सदर, सचिव जोई अलीफ अंसारी और कोषाध्यक्ष के पद पर इरफान अशरफी नियुक्त किया गया।

बैठक में अब्दुल सलाम कादरी, रईस उद्दीन शेख, जाकिर मंसूरी, शाहिद कुंडी, इरफान अंसारी, फिरोज खान, शाहिद इकबाल भाटी, शाहिद हुसैन कदीर, आमीन देशवाली, मुन्ना बाबा, सलाम, इरशाद अंसारी, हनीफ काजी, समीर मयूर, हाफिज मोहम्मद, अयूब हाफिज मोइनुद्दीन हाफिज इंसाफ, अशरफ अली, अनवर हाशमी, सलीम, अफाक, सहारा वसीम, बंटी अशफाक, मयूर, पिंकू आदि उपस्थित रहे।

शिवि कालानी व आर्या कालानी सम्मानित

ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट से समानित करते हुए।

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। जयपुर में प्रांतीय स्तर पर आयोजित यूसीएमएएस कॉम्पीटिशन में किशनगढ़ की होनहार बिटिया शिवि कालानी को प्रथम रनर अप आई एवं आर्या कालानी को ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट से समानित किया गया। एफएल 1 वर्ग में किशनगढ़ की बिटिया शिवि कालानी पुत्री सीए साकेत-सीए अंकिता कालानी ने प्रथम रनर अप में आकर राजस्थान सहित कालानी परिवार का नाम रोशन किया। शिवि नेशनल कॉम्पिटेशन की तैयारी करेंगी। शिवि की बड़ी बहन आर्या कालानी ने भी ग्रेजुशन कर डिग्री प्राप्त की। दोनों बिटिया की शानदार उपलब्धि पर परिवारजनो ने हर्ष व्यक्त किया।

विश्व हिंदू परिषद का 60वां स्थापना दिवस मनाया

- परमसूदा विधायक ने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए सभी वर्ग को आना होगा तभी हम धर्म की रक्षा एक जुट होना जरूरी है

मसूदा, (निसं)। विश्व हिंदू परिषद ने सोमवार को 60वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके परमसूदा विधायक द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कहा कि धर्म की रक्षा के लिए सभी वर्ग को आना होगा तभी हम धर्म की रक्षा एक जुट होना जरूरी है। मसूदा स्थित अखाड़े वाले बालाजी मंदिर परिसर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा बेठक का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के ब्यावर परियोजना प्रमुख पृथ्वीसिंह भोजपुरा तथा सतीश व्यास आदि ने अतिथियों के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने विश्व हिंदू परिषद के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए सभी को संगठित होने का आव्हान किया।अन्य वक्ताओं ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। बिना संगठित हुए किसी की भी सुरक्षा तथा विकास नहीं हो सकता है। अतः सभी को एकजुट होकर हिंदू धर्म की रक्षा के लिए काम करते रहना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रबुद्धजनों को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस दौरान ने दलों में दल बजरंग दल, भारत माता की जय, वंदे मातरम जय श्रीराम तथा देश की रक्षा कौन करेगा हम करेंगे-हम करेंगे सरिके नारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल को गूंजायमान कर दिया।

पायलट के जन्म दिवस पर रक्त दान 7 को

पुष्कर, (निसं)। कांग्रेस महासचिव पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान सचिन पायलट के जन्म दिवस पर आगामी 7 सितंबर को विशाल रक्तदान शिविर के लिए पोस्टर विमोचन का किया गया।

पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन पाराशर के नेतृत्व में पुष्कर कांग्रेस कार्यालय से ब्रह्मा मंदिर तक पैदल मार्च निकाल कर रक्त दान करने को प्रोत्साहन किया गया ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नसीराबाद विधायक प्रत्याशी श्री शिवप्रकाश गुर्जर, अरशद इंसाफ,लक्की जैन, हानिश मरोटिया, दिनेश गुर्जर, हेमंत गुर्जर,देव पाराशर, गिरीराज सोलंकी, प्रवीण गुर्जर,तरुण गुर्जर,रवि गुर्जर, ओम प्रकाश गुर्जर, मोंटू सेन,पंकज पाराशर,पंकज नामा, गणेश पाराशर, गज्जू पाराशर, महेश नायक, समर तेजी, रमेश गुर्जर, आदित्य, विशाल, अंकुश,विजय,शिवा जी,आदि अनेक एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड के सी.एम. ने लगाई ख्वाजा नवाज की दरगाह में हाजरी

झारखण्ड के सीएम हेमंत सोरेन ने दरगाह में जियारत की।

अजमेर, (कासं)। झारखण्ड में चढ़ रहे राजनितिक हढ़चढ़ के बीच आज झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी एक दिवसीय धार्मिक यात्रा पर अजमेर पहुचे, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयानों को ढ़ेकर कहा की वे हमारे विपक्ष के ढ़ोग है विपक्ष में रहकर कुछ भी बोढ़ सकते है।

यहाँ उन्होंने सूफी संत ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती की दरगाह में हाजरी ढ़गाकर अकीदत के फुढ़ व मखमली चादर पेश कर अमन चैन व खुशहाली की कामना की। इस मौके पर हेमंत सोरेन ने मखमढ़ी चादर भी ख्वाजा के दर पर पेश की और झारखण्ड के साथ ही पूरे देश और दुनिया में अमन चैन की दुआ की।

सोरेन को दरगाह जियारत अंजुमन कमेटी के सचिव सरवर चिश्ती ने जियारत करवाई और दस्तारबंदी कर तबर्रूक तकसीम किया। मीडिया द्वारा शिवराज सिंह द्वारा ढ़गाये गए आरोपो पर किए गए सवाढ़ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे विपक्ष के नेता है विपक्ष में रह कर कुछ भी बोढ़ सकते हैं और उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह में जियारत कर देश और प्रदेशवासी सभी एक साथ भाईचारे के साथ रहे। एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चढ़ते आए हैं। आगे भी चढ़ते रहें, यही दुआ मांगी है।

लर्न एंड अर्न स्टार्टअप आईडिया वर्कशॉप का आयोजन

वद्धर्मान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में सहायक नवाचार निदेशक दीपन साहू ने की शिरकत, छात्राओं को सिखाए स्टार्टअप के गुण

लर्न एंड अर्न स्टार्टअप आईडिया वर्कशॉप का आयोजन किया।

ब्यावर, (निसं)। श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वद्धर्मान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में छात्राओं को स्टार्टअप के गुण सिखाने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लर्न एंड अर्न स्टार्टअप आईडिया वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के सहायक इनोवेशन निदेशक दीपन साहू, प्राज्ञ कॉलेज, बिजयनगर के सचिव अनुराग चोरडिया व आल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन के राज्य अध्यक्ष विमल जी रांका ने शिरकत की।सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढा ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि हमारा ध्येय छात्राओं को लर्न और अर्न मन्त्र के आधार पर आगे बढ़ाते हुए महिला सशक्तिकरण और छात्राओं की शिक्षा के लिए आये-दिन नवीन अभिगम अपनाना है। यह सभी व्याख्याताओं की मेहनत और छात्राओं की लग्न का ही परिणाम है की आज वद्धर्मान की छात्राएं विश्व भर में एक अलग पहचान बनाए है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के सहायक इनोवेशन निदेशक दीपन साहू ने छात्राओं को स्टार्टअप करने के तीन मुख्य आयामों क्रमशः जिज्ञासा, रचनात्मकता और नवीन विचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उद्यमी यात्रा के लिए उनका मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने महाविद्यालय में महानगरीय सुविधाएँ प्रदान कराने हेतु प्रबंधन की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय भौतिक एवम शैक्षिणक विकास से नए आयाम स्थापित करने में सफल रहा है। महिला शिक्षा जगत में रचनात्मक एवम व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में सृजनकारी बहुद्देशीय परिवर्तनों को प्राथमिकता प्रदान करते हुए श्री वद्धर्मान ग्रुप के शिक्षण संस्थान क्वालिटी एजुकेशन के साथ-साथ स्किल आधारित शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।कार्यक्रम के समापन के अवसर पर वद्धर्मान शिक्षण समिति मंत्री डा. नरेन्द्र पारख ने पधारे हुए अतिथियों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा की हमारे महाविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है की सूर्य के समान प्रकाशमान अतिथि हमारे प्रांगण में पधारे और छात्राओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन पूजा कांजानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अकादमिक प्रभारी डा. नीलम लोढ़ा सहित समस्त संकाय सदस्य व छात्राएं उपस्थित रही।

'मेरा जूता है जापानी समूह गान की रही यादगार प्रस्तुति'

- जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोढ़ थीम पर इल्मस सदस्यों ने गायक मुकेश को हृदय से स्वरांजढ़ी देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया

अजमेर, (कासं)। इंडिया इंटरनेशनढ़ म्यूजिक ढ़वर्स सोसायटी ने आज मुकेश नाइट कार्यक्रम में जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोढ़ थीम पर इल्मस सदस्यों ने गायक मुकेश को हृदय से स्वरांजढ़ी देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

जयपुर रोड स्थित रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में रूमानी गीतों में अध्यक्ष गणेश चौधरी ने पत्नी रानी के साथ महबूब मेरे तू है तो दुनिया, महासचिव कुंज बिहारी ढ़ाढ़ ने रशिम मिश्रा के साथ हर दिढ़ जो प्यार करेगा और वंदना मिश्रा के साथ क्या खुब ढ़गती हो बड़ी सुन्दर, कुमकुम जैन ने हमसफर मेरे हमसफर, नरेश रतनानी ने उषा मित्तढ़ के साथ चुरा ढ़ेना तुझको और रशिम मिश्रा के साथ सावन का महीना पवन करे शोर, नीरज मिश्रा एंव वंदना मिश्रा जे हम तुम चोरी से और उषा मित्तढ़ के साथ किसी राह में किसी मोड पर आढ़ोक वर्मा ने कभी कभी मेरे दिढ़ में अनिढ़ जैन ने चांद सी महबूबा मेरी कब के रोमांटिक सत्र के बाद संस्थापक डॉ ढ़ाढ़ थदानी के ऊषा के साथ संसार है इक नदिया के दौरान सभागार ने मुक्त कंठ से तारीफ़ की।

श्याम पारीक के एक दिन बिक जाएगा माटी गीत और पत्नी अर्चना पारीक के साथ तेरे होठों के दो फूढ़ प्यारे में सदस्य भी झूम उठे। मस्ती और छेड़खानी वाढ़े गीतों को सचिव कमढ़ शर्मा ने मेरा नाम राजू घराना अनाम, अशोक दरयानी के ताश के बावन पत्ते, अनूप गौड का तौबा ये मतवाढ़ी चाढ़, ढ़क्ष्मण हरजानी ने बोढ़ राधा बोढ़ संगम गणेश चौधरी ने ओ महबूबा तेरे दिढ़ के पास और ढ़ोकेश त्रिपाठी के डम डम भीगा भीगा ने मस्ती का माहोढ़ बना दिया।

दर्द भरे नगमों में उपाध्यक्ष डॉ दीपा थदानी ने कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे, शरद कुमार शर्मा ने तुम जो हमारे मीत ना होते, आजाद अपूर्वा ने मुझको इस रात की तन्हाई, मीना कंजानी ने जुबां पे दर्द भरी दास्तां, दीपक भार्गव ने जाने कहाँ गये वो दिन, उपाध्यक्ष गोपेन्द्र पाढ़ सिंह ने राम करे ऐसा हो जाए, सुषमा शर्मा के जिक्र होता है जब कयामत का गानों को भी खूब तारीफ़ मिढ़ी।

सार-समाचार

हैट्रिक लेकर मैन ऑफ द मैच बने

आसीन्द, (निसं) राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर 16 वर्षीय राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में लोकेश भारती ने आज सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर मे राजसमंद के खिलाफ 4.2 ओवर मे 07 रन देकर 05 विकेट झटके व प्रथम मैच के मैन ऑफ द मैच बने व प्रतियोगिता की प्रथम हेट्रिक, 01 ओवर मैडन डालकर पहला पंजा अपने नाम किया व भीलवाड़ा टीम ने 100 रन बनाये व राजसमंद टीम 66 रनो पर ऑल आउट हो गयी थी भीलवाड़ा टीम ने राजसमंद टीम को 33 रनो से हराया। आसींद की एकमात्र 10 स्क्वायर स्पोर्ट्स एकेडमी में क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे है। एकेडमी के संचालक सुरेंद्र कुमार कुमार व निर्मल सिंह शेखावत व फील्डिंग कोच मनीष शर्मा ने बताया कि छोटे से गाँव बाला जी खेड़ा बरसनी में रहता है लोकेश ने काफी मेहनत के बाद यह मुकाम हासिल किया। गोपाल माली ने बताया कि लोकेश भारती हमारे सरस्वती उच्च माध्यमिक विधालय आसीन्द 11 वी कक्षा में अध्ययन रत है। विधालय मे सभी स्टाफ व बच्चो मे लोकेश का राज्य स्तर पर चयन व प्रथम मैच में मैन ऑफ द मैच बनने पर खुशी जाहिर की।

मेले में श्रद्धालुओं की भीड़

बिजयनगर, (निसं)। सिंधी कॉलोनी स्थित बखेडिया बाबा की मंडी में स्थितभगवान शनि देव के मंदिर पर सोमवार को मेले का आयोजनहुआ। शनि देव मंदिर के महंत प्रमोद गिरी महाराज एवं गुरु चेला परमानंद गिरि ने बताया कि प्रतिवर्षभादवा बुदी अमावस्या को लगने वाले मेले की पूर्व संध्या पर भगवान शनि देव के मंदिर से गाजे बाजे के साथ ज्योति जुलूस निकाला गया। ज्योति जुलूस शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस बखेड़िया बाबा की मंडी पहुंचा ।मंदिर परिसर में रविवार रात्रि को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया भजन संध्या में बदनोर एण्ड पार्टी के कलाकारों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी ।सोमवार प्रात काल से ही भगवान शनिदेव के मन्दिर पर दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही श्रद्धालुओं ने शनि देव को नारियल अगरबत्ती प्रसाद एवं तेल चढाकर भगवान शनि देव सेअपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। मेले प्रांगण में मनोरंजन के लिए झूले चकरीके साथ खाने पीने की स्टालों पर लुत्फ उठायाया मेलार्थियों ने बच्चों के लिए खिलौने गुब्बारे की खरीदारी की।

गंगेश्वर महादेव की स्थापना पुष्कर में

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर की बोकोलिया हताई बड़ी बस्ती में बोकोलिया विकास समिति की ओर से आगामी 7 सितंबर को गंगेश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार व अन्य देवी देवताओं की मूर्ति स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जायेगा। भागचंद सूर्या ने बताया की । पुष्कर की बोकोलिया हताई बड़ी बस्ती में बोकोलिया विकास समिति की ओर से आगामी 7 सितंबर को गंगेश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार व अन्य देवी देवताओं की मूर्ति स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जायेगा। समिति के हनुमान प्रसाद बोकोलिया ने बताया कि दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ 6 सितंबर को सुबह देव स्थापना एवं हवन के साथ होगा। रात्रि को जागरण का आयोजन किया जायेगा। 7 सितंबर को सुबह कस्बे में कलश यात्रा निकाली जायेगी। दोपहर 12.15 बजे महादेव, शिव परिवार, हनुमानजी, अन्नपूर्णा माता, खाटू श्याम, काले गोरे भैंरूजी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, पालिकाध्यक्ष कमल पाठक, अजमेर के पूर्व मेयर कमल बाकोलिया आमंत्रित किया गया है।

श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में सोमवार को भाद्रपद्र मास की सर्वपितृ अमावस्या सोमवती अमावस्या के विशेष संयोग के साथ मनाई गई । इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने पुष्कर सरोवर में सोमवती अमावस्या का स्नान व पितृ कर्म कर धर्म लाभ कमाया अलसुबह से ही श्रद्धालुओ को रेला शुरू हो गया जो देर शाम तक चलता श्रद्धालुओ की घाटों मंदिरों और बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली। गंनगौर घाट, बद्री घाट पर महा आरती की गई। पुष्कर सरोवर में सोमवती अमावस्या के स्नान का विशेष महत्व होता है। इसी के चलते सोमवार को दिनभर अमावस्या के विशेष संयोग पर श्रद्धालु पवित्र सरोवर में अपने दिवंगतों की आत्मशांति के लिए पिंडदान व तर्पण किया साथ ही सरोवर में स्नान कर ब्रह्मा मंदिर समेत मंदिरों के दर्शन कर धर्मलाभ कमायें वहीं शाम को अमावस्या के उपलक्ष्य में गणगौर घाट पर श्री तीर्थ गुरु कृपा महाआरती संघ की ओर से पितृ व शहीदों की स्मृति में महाआरती की गई। संघ के प्रवक्ता इन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि सरोवर की महाआरती तीर्थ पुरोहित पं. किशन गोपाल पाराशर ने की इससे पूर्व सरोवर का दुग्धाभिषेक एवं पूजन किया गया।

पानी भराव को लेकर किया प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 37 विकास नगर के क्षेत्रवासियों ने सोमवार को नगर निगम में प्रदर्शन कर क्षेत्र में पानी भराव की समस्या को लेकर मेयर ब्रजलता हाड़ा को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों का आरोप रहा कि स्थानीय पार्षद उनकी समस्या को लेकर गंभीर नहीं है तथा जब भी क्षेत्रवासी समस्या को लेकर व शिकायत करते हैं तो वह कोई संतुष्टि पूर्वक जवाब नहीं देते। पानी भरने के कारण सबसे ज्यादा स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, मेयर ब्रजलता हाड़ा ने क्षेत्रवासियों आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही समस्या का निदान कराया जाएगा। क्षेत्रवासी पहली बार अपनी समस्या लेकर नगर निगम आए थे, निगम प्रशासन सभी समस्याओं के निदान में तत्परता रखता है।

सफाई व्यवस्था के दिए निर्देश

आसींद, (निसं)। जिला कलक्टर भीलवाड़ा नमित मेहता के निर्देशानुसार सोमवार को उपखंड अधिकारी आसींद उम्मेद सिंह राजावत ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ केंद्र पर चल रहे निर्माण कार्य का देखा, स्वास्थ्य केंद्र पर सफाई व्यवस्था में कमी मिलने पर नाराजगी जताई तथा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए । चिकित्सा प्रभारी से डॉ भंवर लाल शर्मा से अस्पताल में ओपीडी, चिकित्सकों की उपलब्धता, अस्पताल में की जा रही जांचों, दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली तथा मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर एस नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहे।

कलश यात्रा व ध्वजा यात्रा निकाली

अजमेर, (कासं)। प्राचीन श्री बाबा रामदेव मन्दिर, नौसर घाटी, पुष्कर रोड, अजमेर में आज सोमवार 2 से 4 सितम्बर से नानी बाई का मायरा कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्री रामदेव जी मन्दिर, सेवा समिति के अध्यक्ष ललित अग्रवाल के अनुसार मायरे की कथा का वाचन विख्यात कथावाचक श्री अशोक जी विजयवर्गीय, जयश्री श्याम न्यूज चैनल वाले के अपनी मधुर वाणी से मीठी मारवाड़ी में करेंगे। कथा 2 से 04 सितम्बर 2024 तक आयोजित की जाएगी। कथा का शुभारम्भ आज 2 सितम्बर को श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर, अलखनंदा कॉलोनी से प्राचीन बाबा रामदेव मन्दिर तक 151 कलशों की भव्य कलश यात्रा व ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी। साथ ही सांवरिया सेठ का नगर भ्रमण होगा।

धरना प्रदर्शन किया

शाहपुरा, (निसं)। नई राज्यास ग्राम वासियों द्वारा बिजली से परेशान होकर सोमवार बिजली विभाग फुलिया कला पर धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता कनिष्ठ अभियंता का घेराव किया। तुरंत समस्या पर सहायक अभियंता द्वारा संज्ञान लेने के बाद ग्राम वासियों वापिस रवाना हुए। इस मौके पर सीताराम बावरी, शिवराज,जगदीश प्रजापत, लक्ष्मण बावरी कन्हैया लाल, देवी लाल, ग्यारसी लाल, प्रहलाद रामधन ,फोरु भील ,प्रकाश, कालू अभिषेक ,ओम प्रकाश, पुखराज बेरवा ,नारायण ,गोविंद, महावीर, राकेश भील सूरज भील, रामकरण कालू भील गंगाराम सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

शिविर का आयोजन आज

अजमेर, (कासं)। पीएम सूर्य घर योजना के लिए प्रबंध निदेशक अजमेर डिस्कॉम के निर्देशानुसार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजढ़ी योजना के लिए सहायक अभियंता (पवस) अविविनिढ़ि नसीराबाद उपखण्ड कार्याढ़य प्रांगण मे 3 सितम्बर 2024 को प्रातः 11 बजे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजढ़ी योजना के प्रचार - प्रसार के लिए शिविर का आयोजन किया जायेगा।

इस साल के अंत तक रिटायरमेंट के बारे में सोच रही हैं। बीमारी के कारण मेरे लिए सामान्य घंटों तक ट्रेनिंग करना भी मुश्किल हो गया है।
– सायना नेहवाल

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, अपने रिटायरमेंट को लेकर बात करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जो रूट

हाल ही में जो रूट के नाम टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा शतक दर्ज हुए हैं। रूट 34 शतक लगा चुके हैं जबकि केन विलियम्सन के नाम 32, स्मिथ के नाम 32 और विराट कोहली के नाम 29 टेस्ट शतक दर्ज हैं। वहीं मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के बीएस चन्द्रशेखर विश्व के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने अपने टेस्ट कैरियर में बनाए गए रनों से अधिक विकेट प्राप्त किये। उन्होंने टेस्ट मैचों में 166 रन बनाए और 242 विकेट लिये।

नितेश कुमार ने किया कमाल, पैरा बैडमिंटन में जीता गोल्ड मेडल

पेरिस, 2 सितंबर। पैरालंपिक 2024 में भारत को दूसरा गोल्ड मेडल मिल गया है। पैरालंपिक के पांचवें दिन यानी सोमवार को नितेश कुमार ने पैरा बैडमिंटन के मेंस सिंगल्स 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। नितेश ने ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को फाइनल में हराया है। इसके साथ ही भारत की झोली में अब कुल 9 मेडल हो चुके हैं। इसके साथ ही पैरा- बैडमिंटन में अभी तक का भारत का ये पहला मेडल है। इस दौरान पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने ब्रिटिश खिलाड़ी डैनियल बेथेल को मुकाबले में 21-14, 18-21, 23-21 के स्कोर से हराया। इस मैच में नितेश ने पहला मैच 21-14 से जीता, जबकि दूसरे मैच में पिछड़ गए लेकिन तीसरे मैच में बेहतरीन वापसी करते हुए उन्होंने मुकाबले जीत लिया। ब्रिटिश खिलाड़ी से उनकी कड़ी टक्कर मिली। वहीं नितेश कुमार ने पैरालंपिक 2024 में भारत को दूसरा मेडल दिलाया है। इससे पहले अवनि लेखरा ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल 1 इवेंट में भारत को पहला गोल्ड दिलाया था।

बता दें कि, नितेश जब 15 साल के थे उस दौरान उनकी जिंदगी में दुखद मोड़ आया और 2009 में विशाखापट्टनम में एक ट्रेन दुर्घटना में उन्होंने अपना पैर गंवा दिया। बिस्तर पर पड़े रहने के कारण वह काफी निराश हो चुके थे। नितेश को आईआईटी-मंडी में पढ़ाई के दौरान बैडमिंटन की जानकारी मिली और फिर ये खेल उनकी ताकत बन गया।

डिस्कस थ्रो में योगेश कथुनिया ने जीता सिल्वर मेडल

भारत की झोली में आया 8वां मेडल

पेरिस, 2 सितंबर। पैरालंपिक 2024 के पांचवें दिन भारत को 8वां मेडल मिल गया है। दरअसल, मेंस डिस्कस थ्रो एफ56 इवेंट के फाइनल में भारत के पैरा एथलीट योगेश कथुनिया ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। योगेश ने इस दौरान 42.22 के बेस्ट थ्रो के साथ ये मेडल अपने नाम किया है। वहीं एथलेटिक्स में भारत का ये चौथा पदक है। 27 वर्षीय योगेश ने पहले प्रयास में 42.22 मीटर का थ्रो किया, जो उनका बेस्ट प्रयास रहा। ब्राजील के के बतिस्ता डॉस सैंटोस क्लॉडनी ने इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। बतिस्ता ने 46.86 के बेस्ट थ्रो के साथ ये उपलब्धि हासिल की। जबकि ठोस के त्यौनीस कोंस्टैंटिनोस ने 41.32 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।बता दें कि, पेरिस पैरालंपिक में भारत के लिए एथेलिटक्स टीम ने शानदार खेल दिखाया है। अब तक देश को कुल चार पदक भारतीय एथलीट ने दिलाए हैं। प्रीति पाल ने महिलाओं के 100 मीटर और 200 मीटर रेस में देश के लिए दो ब्रॉन्ज मेडल जीते। वहीं पुरुषों की हाई जंप में निषाद ने भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। अब योगेश ने डिस्कस थ्रो में कमाल करते है सिल्वर मेडल अपने नाम किया है।

कौन हैं प्रीति पाल जिन्होंने पैरालंपिक 2024 में दो कांस्य मेडल जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 2 सितंबर। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत की महिला धावक प्रीति पाल टी35 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। पेरिस पैरालंपिक के ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में प्रीति का ये दूसरा मेडल था। शूटर अवनी लेखरा के बाद प्रीति ऐसा करने वाली भारत की दूसरी महिला एथलीट बनी हैं। उन्होंने 200 मीटर की रेस में 30.01 सेकेंड का समय निकालते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

प्रीति पाल उत्तर प्रदेश के मेरठ के गांव कसेरू बक्सर की रहने वाली हैं। एक सामान्य परिवार से आने वाली प्रीति के लिए एथलेटिक्स में करियर बनाना उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। उनके पिता अनिल कुमार दूध की डेयरी चलाते हैं। प्रीति के संघर्ष किसी प्रेरणा से कम नहीं है। प्रीति को बचपन में ही सेरेब्रल पाल्सी का पता चला था। सेरेब्रल पाल्सी एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें दिमाग और शरीर मांसपेशियों के बीच सही से संवाद नहीं हो पाता है। जिस कारण इस बीमारी में व्यक्ति किसी भी चीज पर रिएक्ट कनरे में ज्यादा

समय लेता है।

ऐसा नहीं है कि प्रीति के पिता ने उनका इलाज नहीं करवाया बल्कि प्रीति को ठीक करने के लिए उनके पिता ने काफी प्रयास किया लेकिन वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाई। हालांकि, इसके बावजूद प्रीति का हौसला नहीं टूटा। बेहतर इलाज के लिए प्रीति दिल्ली आईं जहां उनकी मुलाकात जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में कोच गजेंद्र सिंह से हुई। उन्हें के मार्गदर्शन में प्रीति ने ट्रेनिंग लेना शुरू किया। इसके बाद देखते देखते प्रीति ने पैरा खेलों में अपनी एक अलग छाप छोड़ी और पेरिस पैरालंपिक में दो-दो मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

स्कॉटलैंड ने की महिला टी-20 विश्वकप के लिए टीम घोषित

एडिनबर्ग, 2 सितंबर। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अक्टूबर में होने वाले महिला टी-0 विश्वकप 2024 के लिए टीम की घोषणा कर दी। स्कॉटलैंड ने स्टार ऑलराउंडर कैथरीन ब्रायस कप्तान और उनकी बहन विकेटकीपर-बल्लेबाज सारा ब्रायस को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा हाल ही में नीदरलैंड्स त्रिकोणीय सीरीज में टीम को जीत दिलाने वाली अनुभवी लेग स्पिनर अबताहा मकसूद को भी टीम जगह दी गई हैं।

महिला टी-20 विश्वकप के लिए घोषित की गई स्कॉटलैंड की टीम इस प्रकार है: कैथरीन ब्राइस (कप्तान), सारा ब्राइस (उपकप्तान), लोर्ना जैक-ब्राउन, एब्बी एटकेन-ड्रमंड, अब्ताहा मकसूद, सास्किया होर्ले, क्लो एबेल, प्रियानाज चटर्जी, मेगन मैककॉल, डार्सी कार्टर, ऐल्सा लिस्टर, हन्ना रेनी, राचेल स्लेटर, कैथरीन फ्रेजर और ओलिविया बेल। स्कॉटलैंड, पड़ोसी देशों इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के साथ प्रतियोगिता के ग्रुप बी में है।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में इंग्लैंड को फायदा, श्रीलंका को हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 2 सितंबर। हाल ही में जो रूट के दोहरे शतक और गस एटकिंसन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में शानदार जीत दर्ज की है। जिसके बाद इंग्लैंड के खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत 45 हो गया।

वहीं इंग्लैंड टीम मौजूदा समय में चौथे नंबर पर है।डब्ल्यूटीसी रैंकिंग की बात करें तो भारत मौजूदा समय में टॉप पर काबिज है। भारत के 74 पॉइंट्स हैं और टीम के नाम 9 मैच में 6 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 12 में से 8 मैच जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के सात दूसरे नंबर पर है और उसके पॉइंट्स 90 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 6 मैच में 3 जीत और 3 हार के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके 36 अंक और 50.00 पीसीटी है। इंग्लैंड 15 मैच में 8 जीत, 6 हार और 1 ड्रॉ के साथ चौथे नंबर पर है।

बता दें कि, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के पॉइंट में दोगुने से ज्यादा का अंतर है। इसके बाद भी न्यूजीलैंड आगे है क्योंकि रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत से निर्धारित होती है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 में, टीमों को जीत के लिए 12 अंक, ड्रॉ के लिए 4 अंक और टाई के लिए 6 अंक मिलते हैं। लीडरबोर्ड निर्धारित करने के लिए रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत का इस्तेमाल किया जाता है। पॉइंट पर्सेंटेज कलकुलेशन टीम को मिले पॉइंट को कुल पॉइंट से भाग देकर 100 से गुणा करते हैं।

पाक बनाम बांग्लादेश सीरीज पर टिकी अश्विन की नजरें

नई दिल्ली, 2 सितंबर। पाकिस्तान वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच गजब के रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच यह टेस्ट मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है और सीरीज का पहला टेस्ट मैच भी इसी मैदान पर खेला गया था, जहां बांग्लादेश ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश की पहली टेस्ट जीत थी। वहीं दूसरा टेस्ट मैच भी काफी रोमांचक हो गया है।

टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन इस टेस्ट सीरीज पर नजर गड़ाए हुए हैं। बांग्लादेश को इसके बाद भारत दौरे पर आना है और यहां भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, बांग्लादेश के बैटर्स ने अभी तक इस टेस्ट सीरीज में काफी बढ़िया प्रदर्शन किया है और लग रहा है कि अश्विन ने बांग्लादेशी बैटर्स के खिलाफ अपना होमवर्क करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में पहली पारी में 274 रन बनाए, जवाब में एक समय बांग्लादेश ने 26 रनों तक छह विकेट गंवा दिए थे। ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान पहले टेस्ट की हार का बदला आसानी से ले लेगा, लेकिन इसके बाद लिटन दास और मेहंदी हसन मिराज ने मिलकर बांग्लादेश को मैच में वापसी दिलाई।

पाकिस्तान वर्सेस बांग्लादेश दूसरे टेस्ट मैच को लेकर आर अश्विन ने सोशल मीडिया (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'पाकिस्तान वर्सेस बांग्लादेश टेस्ट मैच और टेस्ट सीरीज क्या शानदार होती जा रही है। बांग्लादेश अभी टॉप पर है, लेकिन पाकिस्तान भी इस टेस्ट मैच को अपने फेवर में खत्म कर सकता है।' बांग्लादेश ने पहली पारी में 262 रन बनाए। पाकिस्तान दूसरी पारी में महज 172 रनों पर ऑलआउट हो गया। बांग्लादेश अगर यह टेस्ट मैच जीत जाता है।

जयपुर। क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन निदेशक महेन्द्र प्रताप भाटी ने किया। यह टूर्नामेंट 14 अक्टूबर से आयोजित होगे। इस मौके पर नर्सेज नेता प्यारे लाल चौधरी, महिपाल समोता, महेन्द्र कूडी, महेश चौधरी, योगेन्द्र चौधरी, हरि सिंह भाटी मौजूद रहे। सचिव मनोज दुब्बी ने बताया कि पंचम क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन स्वास्थय भवन जाकर करवाया। मौके पर नर्सेज नेता कैलाश शर्मा, सत्य प्रकाश, सतवीर, भरत जाटव, सुरेश मीना, भूपेन्द्र मीना आदि भी मौजूद

वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे कीर्ति आजाद की पत्नी का निधन

नई दिल्ली, 2 सितंबर। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम आजाद का निधन हो गया है। कीर्ति आजाद ने खुद इस बात की जानकारी दी है। कीर्ति आजाद ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बताया है कि उनकी पत्नी का निधन हो गया है। उन्होंने ये भी बताया है कि उनका अंतिम संस्कार दुर्गापुर में किया जाएगा। कपिल देव की कप्तानी में 1983 का विश्व कप जीतने वाली टीम का कीर्ति आजाद सदस्य रहे हैं। हालांकि, इस समय वे राजनीति में हैं और दरभंगा संसदीय क्षेत्र से टीएमसी के सांसद हैं।

कीर्ति आजाद ने सोमवार 2 सितंबर को एक्स पर दो पोस्ट किए। पहले पोस्ट में उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि उनकी पत्नी दुनिया छोड़ चुकी हैं। उन्होंने लिखा था, "मेरी पत्नी पूनम अब इस दुनिया में नहीं रहीं। दोपहर 12:40 बजे वह स्वर्ग सिधार गईं। आप सभी का श्रद्धांजलि देने के लिए धन्यवाद।" उन्होंने एक और पोस्ट कुछ देर के बाद किया और बताया कि उनका अंतिम संस्कार कहां किया जाएगा। पूर्व क्रिकेटर ने लिखा, शाम 4 बजे दामोदर घाटी श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। दुर्गापुर में उन्हें यह जगह बेहद पसंद थी।

पूनम आजाद भी राजनीति में काफी समय से थीं, लेकिन शुरुआत में वे सामाजिक कार्यकर्ता थीं, लेकिन बाद में उन्होंने दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ा। संगम विहार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने उनको 2020 के चुनावों में उतारा, लेकिन उनको जीत नहीं मिली। उन्होंने आम आदमी पार्टी को 2016 में ज्वॉइन किया था और इससे पहले वह दिल्ली भाजपा की प्रवक्ता थीं। हालांकि, आम आदमी पार्टी के साथ उनकी पारी लंबी नहीं चली और जल्द ही उन्होंने कांग्रेस ज्वॉइन कर ली थी।

बदइंतजामी ने फीकी की ईस्ट बंगाल-मोहन बागान मुकाबले की रंगत

लखनऊ, 2 सितंबर। फुटबॉल को उत्तर प्रदेश के युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कवायद के तहत देश के दिग्गज फुटबॉल क्लबों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच सोमवार शाम यहां खेले जाने वाला मैच आयोजकों की बदइंतजामी का भी गवाह बना। चिर प्रतिद्धंदी मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच मैच यहां शाम साढ़े छह बजे से हजरतगंज स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर खेला जाना था जिसको देखने के लिये नवाब नगरी के फुटबॉल प्रेमी शाम साढ़े चार बजे से ही यहां जमना शुरु हो गये थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस निशुल्क प्रदर्शनी मैच का उदघाटन करना था जिसके चलते पुलिस प्रशासन भी सक्रिय हो गया था। स्टेडियम पर पार्किंग के लिये कोई स्थान निर्धारित नहीं होने के कारण वाहनो का प्रवेश शाम पांच बजे से ही निषेध कर दिया गया था। मैच के बाहर फुटपाथ पर पुलिसकर्मियों ने अपनी अवैध वाहन पार्किंग बना ली और वाहन से आने वाले फुटबॉल प्रेमियों को बैरियर लगा कर रोक दिया गया जिससे बड़ी संख्या में दर्शक आयोजकों को कोसते हुये स्टेडियम के बाहर से ही घर वापस होने को मजबूर हुये।

बदइंतजामी का स्तर इस कदर था कि प्रेस प्रतिनिधियों के वाहनो को भी पुलिस अधिकारियों ने प्रवेश करने से रोक दिया और जब उनसे फुटपॉथ पर पार्क करने की मनुहार की गयी तो उनका जवाब था कि उन्हे साफ निर्देश मिले हैं कि उन्हे सिर्फ मुख्यमंत्री के लिये रास्ता साफ चाहिये और किसी भी वाहन का स्टेडियम अथवा फुटपाथ पर वाहन पार्क करना निषेध है।

स्टेडियम के भीतर भी हालात अप्रिय दिखे। मुकाबले में दर्शक जुटाने के लिये हालांकि पोस्टर बैनर पर खेल विभाग ने जम कर पैसे लुटाये लेकिन मैदान में प्रवेश करने से वंचित हुये खेल प्रेमी उन्हे कोसते नजर आये। यहां तक कि प्रेस दीर्घा के लिये भी कोई निर्धारित स्थान न होने से पत्रकारों ने भी दर्शकों के बीच बैठ कर मैच कवर किया।

रोमांचक मुकाबले के गवाह बनने से चूके दर्शकों ने स्टेडियम के बाहर पुलिस प्रशासन और आयोजकों की जमकर आलोचना की। इनमें अधिकतर का मानना था कि फुटबॉल की लोकप्रियता तभी बढ़ेगी जब प्रदेश के विभिन्न शहरों में इस स्तर की टीमों के बीच मुकाबलों की आवृत्ति में इजाफा हो मगर वीआईपी संस्कृति और मठाधीशों के चलते दर्शक शायद ही फुटबाल के मैदान को ओर रुख कर सकें।

सचिन ने प्रीति और निषाद को मेडल जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली, 2 सितंबर। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों 2024 में पदक जीतने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है साथ ही उन्हें बधाई भी दी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो पदक जीते। जहां निषाद कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता तो प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता। जिसे देखकर सचिन तेंदुलकर भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सचिन ने ओलंपिक गेम्स 2024 में पदक जीतने वाले और अच्छा प्रदर्सन करने वाले सभी खिलाड़ियों की सहारना की।

पूरी दुनिया में अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाने वाले सचिन ने पेरिस में जारी पैरालंपिक खेलों के मेडलिस्ट को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि, निषाद को हाई जंप में सिल्वर मेडल के लिए बधाई, प्रीति पाल आपने 200 मीटर स्प्रिंट में एक और मेडल जीतकर इस पैरालंपिक में दो पदक अपने नाम कर लिए हैं।

सूर्या का दिलीप ट्रॉफी के पहले राउंड में कटा पत्ता, चोट ने टेस्ट प्लान पर फेरा पानी

नई दिल्ली, 2 सितंबर। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड से पत्ता कट गया है। वह चोट के कारण नहीं खेल सकेंगे। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत पांच सितंबर से होने जा रही है। सूर्या हाल ही में बुची बाबू टूर्नामेंट में मुंबई की ओर से खेलते हुए चोटिल हो गए थे। उनके हाथ में हाथ चोट लगी थी।

माना जा रहा था कि सूर्यकुमार की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है लेकिन पहले राउंड से बाहर होने के बाद भारतीय फैंस की टेंशन थोड़ी बढ़ गई है। सूर्या भारतीय टी20 टीम के कप्तान हैं। भारत को 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। उसके बाद दोनों टीम की 6 अक्टूबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज में टक्कर होगी।

बता दें कि सूर्यकुमार चोट के कारण बुची बाबू टूर्नामेंट में तमिलनाडु क्रिकेट संघ एकादश के खिलाफ आखिरी दिन नहीं खेले थे। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इंडिया

सी का हिस्सा सूर्या को दलीप ट्रॉफी में पांच से आठ सितंबर तक अनंतपुर में इंडिया डी के खिलाफ खेलना था। हालांकि, सूर्या अब बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) जाएंगे ताकि पूरी तरह फिट हो सकें। प्रतियोगिता के दूसरे मैच में इंडिया ए और इंडिया बी टीम की बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भिड़ंत होगी।

सुयश पैरालंपिक खेलों में भाग लेने के लिए पेरिस रवाना

नई दिल्ली, 2 सितंबर। भारतीय तैराक सुयश जाधव सोमवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। एथलीट सुयश जाधव आज यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वह पेरिस में चल रहे पैरालंपिक खेलों में पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई एस7 स्पर्धा में भाग लेंगे।

निहाल और आमिर मिश्रित निशानेबाजी स्पर्धा से बाहर

पेरिस, 2 सितंबर। भारतीय निशानेबाज निहाल सिंह और आमिर अहमद भट सोमवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 क्वालिफिकेशन स्पर्धा बाहर हो गए। आज खेले गए मुकाबलों में निहाल सिंह और आमिर अहमद भट 10वें एवं 11वें स्थान पर रहे एवं स्पर्धा से बाहर हो गए।

कृषि उपज भंडारण में करोड़ों के घोटाले में श्री शुभम लॉजिस्टिक के खिलाफ ए.सी.बी. की जांच शुरू

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री और ए.सी.बी. को पत्र लिखकर गहलोत सरकार में हुए इस घोटाले की जांच की मांग की थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 2 सितम्बर। राजस्थान राज्य भंडारण निगम और श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी के बीच अनुबंध की आड़ में करोड़ों रु. के घोटाले की जांच अब एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने भी शुरू कर दी है। ज्ञात रहे कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर इस घोटाले की शिकायत की थी। इसके बाद ए.सी.बी. महानिदेशक के आदेश पर गत 16 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज करके इस प्रकरण की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर नगर प्रथम को सौंप दी है।

- ज्ञातव्य है कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय, जून-2020 में भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड़ पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक और ऑरिगो कंपनी के साथ अनुबंध किया था।
- लेकिन इन फर्मों ने शर्तों का उल्लंघन करते हुए गोदामों में रखी 3000 करोड़ बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा नहीं करवाया। इसके अलावा तयशुदा बैंक गारंटी की राशि भी विभाग में जमा नहीं करवायी।
- डॉ. किरोड़ीलाल का कहना था कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के राज में हुआ यह टैंडर शुरू से ही विवादों में था, क्योंकि इसकी शर्तें कुछ इस प्रकार तय की गई थीं कि इन दोनों कंपनियों के अलावा कोई इस निविदा में भाग ही नहीं ले सके।

गौरतलब है कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने राजस्थान राज्य भंडारण निगम द्वारा कल्पतरू समूह से जुड़ी श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी के साथ कृषि उपज को भंडारण निगम व प्राइवेट गोदामों में सुरक्षित रखने के लिए किए गए अनुबंध के प्रकरण में करोड़ों रु. के घोटाले के आरोप लगाए थे।

मंत्री किरोड़ीलाल ने इससे पहले 16 मई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत दी थी कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय जून-2020 में भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक और ऑरिगो कंपनी को टैंडर दिया था, लेकिन इन फर्मों ने शर्तों का उल्लंघन करते हुए गोदामों में रखी 3000 करोड़ की बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा नहीं करवाया। इसके अलावा, तयशुदा बैंक गारंटी की राशि भी विभाग में जमा नहीं करवायी। किरोड़ीलाल मीणा ने 21 जनवरी 2024 की सी.ए.जी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस घोटाले की जांच करवाने, टैंडर निरस्त करने और दोषी बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की थी।

डॉ. किरोड़ीलाल का कहना था कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राज में हुआ यह टैंडर शुरू से ही विवादों में था, क्योंकि इसकी शर्तें कुछ इस प्रकार तय की गई थीं कि इन दोनों कंपनियों के अलावा कोई इस निविदा में भाग ही नहीं ले सके।

हैरानी की बात यह थी कि इस टैंडर के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में भी एक याचिका दायर हुई थी, जिस पर अदालत ने टैंडर पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तत्कालीन गहलोत सरकार व राज्य भंडारण निगम ने श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को टैंडर देने के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और अदालत ने कुछ समय के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर अस्थाई रोक हटायी थी, इसी बीच विभाग ने कंपनियों के साथ अनुबंध कर लिया। आज भी इस प्रकरण पर अंतिम फैसला आना शेष है।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने मदुरै-रामेश्वरम तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मु.मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ष 36 हजार वरिष्ठ नागरिकों तीर्थ यात्रा करायेगी। राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की यात्रा एवं भोजन प्रबंधन के लिए 80 करोड़ का बजट तैयार किया है। सरकार करीब 6 हजार तीर्थ यात्रियों की हैलिकॉप्टर की जरिये काठमांडू (नेपाल) की यात्रा करवायेगी।

मुख्यमंत्री ने जयपुर से मदुरई-रामेश्वरम् तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन को हरी झण्डी दिखाई

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार इस वर्ष 36 हजार बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराएगी

जयपुर, 2 सितंबर (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जीवन में तीर्थ यात्रा का बहुत महत्व है। हमारे तीर्थ स्थल सांस्कृतिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का प्रतीक हैं तथा हमारी संस्कृति में भी इनकी असाधारण महिमा बताई गई है। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों पर जाने से मन को शांति मिलती है तथा नई ऊर्जा एवं सकारात्मकता का संचार होता है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत जयपुर से मदुरई व रामेश्वरम् के लिए निकली, इस वित्तीय वर्ष की प्रथम तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

- मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार की तीर्थ यात्रा योजना से उन वर्गों को लाभ मिल रहा है जो आर्थिक अभाव में तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा, प्रत्येक व्यक्ति के मन में यह उत्कंठा एवं हार्दिक इच्छा रहती है कि वह अपने जीवन काल में महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों की यात्रा कर आत्मिक सुख प्राप्त करे। मगर कुछ लोग आर्थिक अभाव और अन्य कारणों से तीर्थ यात्रा पर नहीं जा पाते। हमारे लिए यह खुशी की बात है कि राज्य सरकार की ''वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना'' का सर्वाधिक लाभ समाज के ऐसे तबके को मिल रहा है।

शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत इस साल 36 हजार तीर्थ यात्रियों में से 15 हजार तीर्थ यात्रियों को अयोध्या तथा 15 हजार तीर्थ यात्रियों को अन्य तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी, जिनमें रेल द्वारा रामेश्वरम्-मदुरई, जगन्नाथपुरी, तिरूपति, द्वारकापुरी-सोमनाथ, वैष्णो देवी-अमृतसर, प्रयागराज-वाराणसी, मथुरा-वृंदावन-बरसाना, सम्मेद शिखर-पावापुरी-बैद्यनाथ, उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्रयम्बकेश्वर (नासिक), गंगासागर (कोलकाता), कामाख्या (गुवाहाटी), हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या, मथुरा-अयोध्या, बिहार शरीफ, वेलकानी चर्च (तमिलनाडु) की यात्रा शामिल हैं। साथ ही, 6 हजार तीर्थ यात्रियों को काठमांडू (नेपाल) स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की तीर्थ यात्रा भी हवाई जहाज से करवायी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन तीर्थ यात्रियों के आवागमन, परिवहन, भोजन, आवास इत्यादि समस्त व्यवस्थाएं राज्य सरकार द्वारा की जाएंगी, जिन पर लगभग 80 करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य बजट में प्रमुख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों का विकास करने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के 600 मन्दिरों में त्यौहारों पर सजावट के लिए 13 करोड़ रुपये की राशि भी मंजूर की गई है।

जयपुर से मदुरई एवं रामेश्वरम् हेतु 7 दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन में जयपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर एवं कोटा जिले के लगभग 780 वरिष्ठजन यात्रा कर रहे हैं। इस तीर्थ यात्रा में यात्रियों की देखरेख के लिए हर कोच में 2 सरकारी कर्मचारियों की अनुदेशक के रूप में ड्यूटी लगाई गई है।

साथ ही यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए ट्रेन में एक डॉक्टर, 2 नर्सिंग अधिकारी तथा सुरक्षाकर्मी भी मौजूद हैं।

इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, गोपाल शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, देवस्थान विभाग की शासन सचिव शैली किशनानी, उत्तर पश्चिम रेलवे के डीआरएम विकास पुरवार सहित वरिष्ठ तीर्थयात्रीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'हम सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की इस अवधि में भाजपा एन.डी.ए. के प्रधान पार्टनर की हैसियत से व्यवहार एवं कार्य करेगी।

लेकिन इस तथ्य का श्रेय नीतीश कुमार को जरूर जाता है कि

- भाजपा की नीतीश कुमार से सदा यह शिकायत रही है कि उन्होंने बिहार में भाजपा के स्थानीय नेतृत्व को पनपने नहीं दिया, अतः भाजपा नीतीश कुमार की, बड़े भाई की छवि से मुक्त होना चाहती है।

लम्बे समय तक भाजपा को स्थानीय नेतृत्व तैयार नहीं करने दिया।

लेकिन आगामील महीनों में जे.डी.यू. और भाजपा के बीच लुप-छिप कर वार करने वाले इस खेल में वृद्धि होने के आसार हैं।

पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने सोमवार को एक स्वर्ण पदक, दो रजत सहित चार मैडल अपने नाम किये। पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने स्वर्ण, थुलसिमथी मुरुगेसन ने रजत और मनीषा रामदास ने कांस्य पदक जीता। भारतीय पैरा एथलीट निषाद कुमार ने पुरुषों की टी47 ऊंची कूद स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया हैं। नितेश ने आज खेले गए पुरुष एकल एसएस3 श्रेणी के फाइनल मुकाबले में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। नितेश ने पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले महिला निशानेबाज अवनि लखेरा ने स्वर्ण पदक जीता था।

दूसरे स्वतंत्रता संग्राम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विवेकानंद की बड़ी-बड़ी तस्वीरें उठा रखी थीं और वही नारा लगा रहे थे- ''हमें न्याय चाहिए।'' बंगाल में इन पूजनीय नामों के आह्वान की एक स्पैशल अपील तथा पवित्रता है।

साथ ही साथ, विरोध प्रदर्शन जारी रखते हुए बंगाल में मैडिकल छात्रों ने सड़कों पर धरना दिया और लेडी डॉक्टर के रेप व हत्या के मामले में उनके आचरण के लिए कलकत्ता पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की। छात्र लोग पुलिस की कई अनियमितताओं का हवाला दे रहे हैं, जिसमें, असली आरोपियों को छुपाना तथा सभी साक्ष्य मिटाना आदि शामिल है।

पुलिस ने पूर्व नियोजित तरीके से तुरत-फुरत शव का दाह संस्कार करवा दिया था, यहाँ तक कि, उस रात जो अन्य दाह संस्कार होने थे उनको पीछे छोड़कर महिला डॉक्टर का क्रिमेशन पहले करवाया था। डॉक्टर के माँ-बाप को भी शव के पास आने नहीं दिया तथा जल्दी से शव को उनके पास से ले गए।

यह बंगाल सरकार के खिलाफ चल रहे आंदोलन की ही गूंज है। ममता बनर्जी के नेतृत्त्व वाली प्रदेश सरकार ने आर.जी. कार अस्पताल में एक पी.जी. छात्रा महिला डॉक्टर के दुष्कर्म व हत्या के मामले, उचित जांच प्रक्रिया को रोकने की हरसंभव कोशिश की।

बंगाल में कई गीत है जिन्हें ''स्वदेशी गान'' कहते हैं, ये सभी देशभक्ति गीत है। इन्हें आज़ादी के आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानी गाते थे। इन गीतों ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किए जा रहे अन्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन को महसूस किया जा सकता है।

बंगाल इस समय दूसरे स्वतंत्रता संग्राम से गुजर रहा है, डॉक्टर आंदोलन कर रहे हैं। सिविल सोसायटी के सदस्य आंदोलन कर रहे हैं और आज़ादी के आंदोलन के दौरान गाए जाने वाले गीत गा रहे हैं। एक अन्य जानी-मानी गायिका श्रेया घोषाल ने कोलकाता में कार्यक्रम करने से मना कर दिया और कहा, यह ''अमया'' के लिए दुख मनाने का समय है, ऐसे में संगीत कार्यक्रम नहीं किए जा सकते।

बड़े-बड़े कलाकार सड़कों पर उतर कर जांच में अडंगा लगाने के सरकार के प्रयासों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है। उनका सवाल है कि सरकार इन अपराधियों को क्यों बचा रही है।

सी.बी.आई. ने आर.जी. कार मैडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया

संदीप घोष की यह गिरफ्तारी आर.जी. कार मैडिकल कॉलेज में हुये भ्रष्टाचार के मामले में की गई है

कोलकाता, 2 सितम्बर (वार्ता)। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने आर.जी. कार कॉलेज व अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉक्टर संदीप घोष को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि घोष की गिरफ्तारी डॉक्टर दुष्कर्म व हत्याकांड मामले को लेकर नहीं बल्कि आरजी कर मैडिकल कॉलेज में हुए भ्रष्टाचार के मामले में हुई है। आखिरकार आर.जी. कार मैडिकल कॉलेज अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को सीबीआई ने सोमवार की रात को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि 16 अगस्त से बीच में दो दिन छोड़कर 16 दिनों तक संदीप को सीबीआई की पूछताछ और दो बार पॉलीग्राफ टेस्ट का सामना करना पड़ा। सिर्फ पिछले शनिवार और रविवार को घोष से पूछताछ नहीं हुई थी।

घोष को सोमवार को फिर से सीबीआई की सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित दफ्तर बुलाया गया था। शाम को सीबीआई अधिकारी संदीप को वहां से आर्थिक भ्रष्टाचार इकाई के अपने दफ्तर निजाम पैलेस ले आए। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने जानकारी दी कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि गत नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद विभिन्न हलकों में तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका पर सवाल उठ रहे थे। सीबीआई ने उन्हें पहली बार 15 अगस्त को तलब किया था। उस दिन वह उपस्थित नहीं हुए।

सीबीआई की टीम ने 25 अगस्त की सुबह कोलकाता के बेलेघाटा स्थित संदीप के घर पर छापेमारी की थी। सीबीआई अधिकारियों को 75 मिनट तक बाहर इंतजार करने के बाद संदीप ने दरवाजा खोला था। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर महिला डॉक्टर से रेप और हत्या मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

मु.मंत्री रेड्डी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बरतने की नसीहत देते हुए सोमवार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी और तीन अन्य की याचिका पर कांग्रेस नेता रेड्डी के अलावा अन्य आरोपियों से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा। बीआरएस नेता और अन्य की याचिका में मुकदमे को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए कहा गया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के पास गृह मंत्रालय का भी प्रभार है और वह इस मामले में सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी ए सुंदरम ने मुख्यमंत्री के कुछ बयानों का उल्लेख किया तो पीठ ने कहा, जब कोई व्यक्ति इतने ऊंचे पद पर होता है, तो कुछ संयम की उम्मीद की जाती है।

सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे लोगों को सावधान रहना चाहिए।

बाड़मेर में वायुसेना का फाइटर प्लेन क्रैश

बाड़मेर, 2 सितम्बर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में वायुसेना का -29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में पायलट खुद को सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहा है। हादसा वाली जगह पर किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं। वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है।

हादसे के बाद भारतीय वायु सेना की ओर से बयान जारी किया गया। वायुसेना ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा- बाड़मेर सेक्टर में एक नियमित रात्रि प्रशिक्षण मिशन के दौरान, एक मिग-29 में एक गंभीर तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को विमान से इजेक्ट करना पड़ा। पायलट सुरक्षित है और जमीन पर जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस हादसे की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश जारी कर दिए गए हैं। वहीं बाड़मेर के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र मीना ने बताया कि रात के वक्त बाड़मेर में मिग-29 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना आबादी वाले इलाके से दूर हुई। घटनास्थल पर भी अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। विमान में गंभीर तकनीकी खराबी के चलते हादसे की आशंका है। दुर्गम इलाका होने के कारण दमकल की गाड़ियां दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाई हैं।

राहुल ने बुलडोज़र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योग्य है। बुलडोज़र के नीचे मानवता और इंसाफ को कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा अब देश के सामने बेनक़ाब हो चुका है।

आर.पी.एस.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान, एस.ओ.जी. ने आरोपी राईका को अदालत में पेश किया।

एस.ओ.जी. ने आरोपी से विस्तृत पूछताछ के लिए उसे नौ दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपने की गुहार की। इस पर अदालत ने आरोपी को 7 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, अदालत कक्ष में एक वकील ने राईका को कहा कि उन्हें शर्म नहीं आती, जो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस पर राईका ने वकील को वहां से भागने और थप्पड़ मारने की बात कही। गौरतलब है कि एस.ओ.जी. ने पेपर लीक मामले में रामू राम राईका के अलावा एस.आई. बनी उसकी बेटी शोभा और बेटे देवेश को भी गिरफ्तार किया है।

श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा नहीं करवाने तथा तयशुदा बैंक गारंटी की राशि भी विभाग में जमा नहीं करवाने समेत अन्य शर्तों का उल्लंघन करने के बावजूद भी राज्य भंडारण निगम और राज्य सरकार की ओर से अदालत में उचित जिरह नहीं की गई, जिससे कंपनी पर शिकंजा कसा जा सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में उचित पैरवी नहीं होने के कारण भंडारण निगम और राज्य सरकार को आश्वासन देना पड़ा कि शर्तों के उल्लंघन के कारण श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी का रोका गया भुगतान का 25 प्रतिशत तुरंत जारी करेगी। इसके साथ ही 25 प्रतिशत राशि बैंक गारंटी प्राप्त होने के बाद जारी कर देगी।

रिपोर्ट्स में विधि विभाग के रवैये को ढुलमुल माना गया है, क्योंकि मुख्य सचिव को आश्वासन देने के बावजूद भी विधि विभाग ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। यहां तक कि करोड़ों रुपये के इस घोटाले का मात्र अनुबंध में शर्तों के उल्लंघन से जुड़े मामूली प्रकरण की तरह निस्तारण किया। रिपोर्ट में कहा गया कि 1 अगस्त को विधि विभाग के जूनियर अफसरों ने इस मामले में बैकफुट पर आते हुए यहां तक कह दिया कि ''विधि विभाग के स्तर पर कोई कार्यवाही अपेक्षित प्रतीत नहीं होती है।''

उल्लेखनीय है कि रिपोर्ट में यह तथ्य भी लिखा गया है कि 1 अगस्त को अतिरिक्त महाधिवक्ता ने भंडारण निगम को पत्र लिखकर कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को तीन सप्ताह के भीतर बैंक गारंटी प्राप्त करके 50 प्रतिशत राशि सौंप दी जाये। गौर फरमाने योग्य है कि शुभम लॉजिस्टिक, भंडारण निगम के 92 गोदामों में से 71 को पी.पी.पी. मोड पर संचालित करता है, जिनमें 2790 करोड़ रुपये की कृषि उपज रखी हुई थी। इसी फर्म की दूसरी सहयोगी ऑरिगो कमोडिटीज़ स्वयं के 23 गोदामों का संचालन करती है, जिसमें 900 करोड़ रुपये की कृषि उपज का भंडारण किया गया था।

जैसा कि विदित है कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा जिन्होंने यह मामला उठाया था, ने इसमें एक अहम् बात यह भी कही थी कि 3 हजार करोड़ से ज्यादा बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा भी ठीक ढंग से नहीं कराया गया था। मुख्य सचिव को भेजी गई रिपोर्ट में भी बताया गया है कि दिसंबर 2023 से मई 2024 तक ऑरिगो कंपनी द्वारा कृषि उपज का बीमा ही नहीं कराया गया था। वहीं, श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी ने भी 25 अप्रेल से 12 जून तक 2790 करोड़ रु. की कृषि उपज का कोई बीमा नहीं कराया था। वर्तमान में भी करोड़ों रुपये की कृषि उपज बिना किसी इंश्योरेंस के गोदामों में रखी हुई है। यह उपज कृषि विभाग की थी, जिसे खाद्य विभाग के जरिये आमजन में वितरित किया जाता है। अगर बारिश, आग, चोरी अथवा सड़ने से गोदामों में रखी उपज का कोई नुकसान होता है तो सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.) प्रभावित होती। परन्तु यह जानते हुए भी विधि विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

लोक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभाग ने गत 31 जनवरी को सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए थे कि वे संबंधित जिला एवं सत्र न्यायाधीश से परामर्श कर निचली अदालतों में लोक अभियोजकों की नियुक्ति के लिए वकीलों की पैनल लिस्ट तैयार कर उपलब्ध कराएं। इस सूची में प्रत्येक पद के लिए कम से कम तीन और अधिकतम पांच वकीलों को शामिल किया जाए। याचिका में बताया गया कि विभाग ने गत 26 जून को एक नया पत्र जारी कर जिला कलेक्टरों को आवेदन करने वाले वकीलों में से एक अतिरिक्त पैनल भेजने के निर्देश दिए। पत्र में यह भी कहा गया कि अतिरिक्त पैनल में पूर्व में प्रस्तावित नामों से अलग अधिवक्ताओं के नाम होने चाहिए। याचिका में कहा गया कि अतिरिक्त पैनल बनाने के पीछे मनचाहे वकीलों को लोक अभियोजक पद पर नियुक्ति देना है। ऐसे में नई पैनल लिस्ट से लोक अभियोजक पद पर नियुक्तियों को रोका जाए। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने नई पैनल लिस्ट से नियुक्तियां देने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सेबी चेयरमैन माधवी बुच के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खेड़ा ने कहा, ''2021-23 के दौरान, वर्तमान सेबी-अध्यक्ष को आई.सी. आई. सी.आई. बैंक से 2.84 करोड़ रू. के ई.एस.ओ.पी. मिला था। यह आई.सी.आई.सी.आई. एम्प्लॉयीज़ स्टॉक ऑप्शन स्कीम, 2000 की धारा 10 का उल्लंघन है।''

उन्होंने आगे कहा, ''सेबी अध्यक्ष को, 2017 में उनके सेबी में आने से लेकर आज तक, आई.सी.आई.सी.आई. से कुल 16.80 करोड़ रू. प्राप्त हुये हैं, यह चौंकाने वाली राशि है। यह राशि इसी अवधि में उन्हें सेबी से हुई आय की 5.09 गुना है। इस अवधि में, उन्हें सेबी से 3.30 करोड़ रू. ही प्राप्त हुये हैं।''

कांग्रेस प्रवक्ता ने इस मामले में मोदी से भी अनेक प्रश्न पूछे हैं।

खेड़ा ने पूछा है, ''नियामक संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति के सही एवं उचित मानक क्या हैं? क्या अपॉइन्टमेन्ट कमेटी ऑफ केबिनेट (ए.सी.सी.), जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री हैं, की जानकारी में ये स्तब्धकारी तथ्य हैं या क्या ए.सी.सी. प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रति पूरी तरह आउटसोर्स्ड है? क्या प्रधानमंत्री इस बात को जानते हैं कि सेबी अध्यक्ष किसी अन्य लाभ के पद पर हैं तथा सेबी में काम करने की अवधि में आई.सी.आई.सी.आई. से वेतन/आय प्राप्त कर रही हैं? सेबी अध्यक्ष को कौन बचा रहा है और क्यों? प्रधानमंत्री को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये तथा इन प्रश्नों के उत्तर देने चाहिये।''

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक्स' पर कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपने अपने चहेते मित्रों की मदद करने के लिये भारत की पुरानी संस्थाओं की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता को कुचलने के 10 साल पूरे प्रयास कर लिये हैं। यह चीज हमने सी.बी.आई., ई.डी., आर.बी.आई., सी.ई.सी. में नियुक्तियों के मामलों में देखी हैं, अब उसी चीज का सामना हम सेबी में कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''आपने आवश्यक योग्यता के बिना ही सेबी के अध्यक्ष की नियुक्ति पहली बार सीधे एवं स्वैच्छिक प्रवेश द्वारा की। इससे सेबी की प्रतिष्ठा पर काला धब्बा लगा तथा इससे बाजार की इस नियामक संस्था की विश्वसनीयता कम हो गई। आखिर, सेबी कम तथा मध्यम आय वाले निवेशकों की गाढ़ी कमाई को संरक्षण प्रदान करती है।''

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे ने कहा, ''हमारी माँग है कि सर्वोच्च न्यायालय इन नये रहस्योद्घाटनों का संज्ञान ले। सेबी अध्यक्ष तत्काल बर्खास्त की जायें। अडानी मेगा स्कैम की जाँच के लिये जॉइन्ट पार्लियामेन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) गठित की जाये। चूँकि सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति मोदी - (अमित) शाह के नेतृत्व वाली कमेटी ने की थी, इसलिये वे भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े इन नये रहस्योद्घाटनों से स्वयं को अलग नहीं रख सकते।''

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908